भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान

IICT

Annual Report | वार्षिक विवरणी

2015-16

IICT

Indian Institute of Carpet Technology-Bhadohi

वर्ष 2015-16 के दौरान आईआईसीटी की एसजीएम व एजीएम की बैठक के समय लिये गये फोटो स्नैप
Snap shots taken during SGM & AGM Meeting of IICT during the year 2015-16

सत्यमेव जयते

indian
भारतीय
handicrafts
हस्तशिल्प
continuing tradition

CONTINUING TRADITION

भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान

IICT

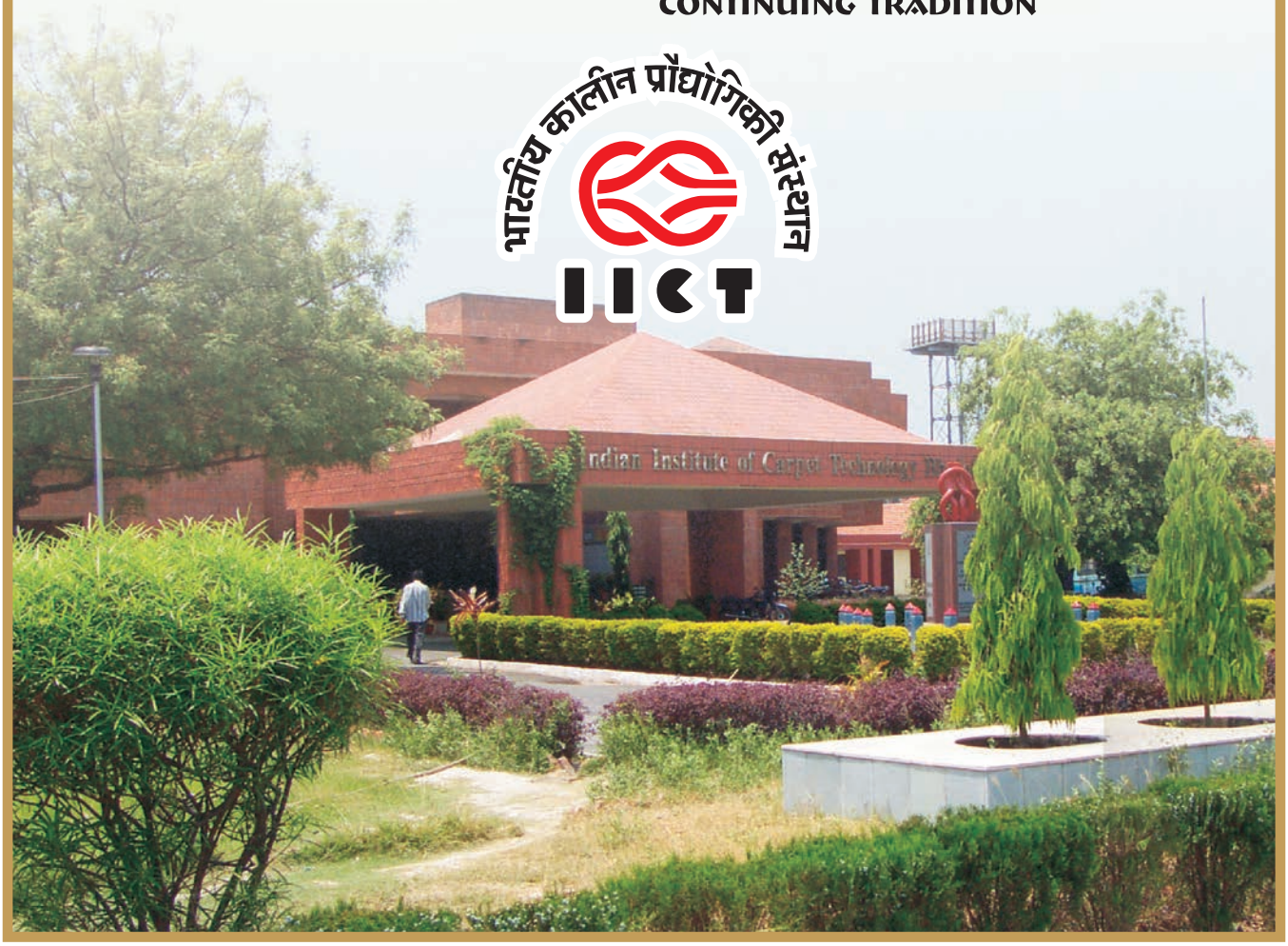

आलोक कुमार, भा.प्र.से.
विकास आयुक्त (हस्तशिल्प)
Alok Kumar, I.A.S.
Development Commissioner (Handicrafts)

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
वस्त्र मंत्रालय
पश्चिमी खण्ड-7, रामाकृष्णापुरम,
नई दिल्ली-110 066

GOVERNMENT OF INDIA
Ministry of Textiles
West Block-7, R. K. Puram,
New Delhi-110 066

Message From The Desk of Chairman

I am pleased to present the Annual Report of IICT for the year 2015-16.

The performance of IICT in all its four portfolios, Human Resource Development (HRD), Design Creation & Development (DCD), Research & Development (R&D) and Technical Support to Industry (TSI) has been praiseworthy.

Apart from above, the Institute was also involved in various important projects like ISDS, CHCDS & other training / R&D projects to upgrade/ develop skill and create human resource for the carpet industry. Successful conduction of 20 workshops/Seminars shows commitment of IICT toward the overall development of weaker section of the society for the Carpet Industry.

The Institute is also playing a vital role in providing services in all portfolios in genuine /reliable manner as evident from continued accreditation to ISO 9000. ISO 17025, AICTE & UPTU/DEC-UGC-AICTE and Textile Institute (Manchester) for activities like overall Quality System, Laboratory Quality System, B. Tech course & Distance learning Programme and International Accreditation of B. Tech course of IICT which strengthened the academic repute of IICT.

I wish IICT to continue its efforts in making the carpet industry overall progressive and result oriented.

Alok Kumar, IAS
DC (Handicrafts), Chairman,
Indian Institute of Carpet Technology, Bhadohi

indian भारतीय handicrafts हस्तशिल्प continuing tradition

भारतीय handicrafts हस्तशिल्प
indian continuing tradition

सुशील आर. गायकवाड (आई.आर.टी.एस.)
Sushil R. Gaikward (I.R.T.S.)

सत्यमेव जयते

अपर विकास आयुक्त (हस्तशिल्प)
कार्यालय विकास आयुक्त (हस्तशिल्प)
वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार,
पश्चिमी खण्ड-७, रामाकृष्णापुरम,
नई दिल्ली-११० ०६६

Additional Development Commissioner (Handicrafts)
Office of the Development Commissioner (Handicrafts)
Ministry of Textiles, Government of India.
West Block-7, R. K. Puram, New Delhi-110 066
Phone : 26103206 Fax No. : 26163085
Website : http://handicrafts.nic.in

Message From The Desk of Vice - Chairman

I am happy to note extraordinary performance of IICT in all its four portfolios as depicted in the Annual Report for the year 2015-16.

It is also a matter of proud that stakeholders have explored the utilization of portfolios gainfully as evident from composite score 98% in RFD context.

I am convinced about the continuous improvement of the institute through constant meticulous endeavor made by institute's faculty & Staffs.

The IICT has put admirable efforts in conducting various awareness programme including covering SC/ST artisans for development of the weavers section of the society.

Similarly in other portfolios too IICT is proactive and industry focused and hence deserves to be appreciated.

I also wish IICT to continue to excel for repositioning its status as a true referral centre.

[Sushil R. Gaikwad]
Vice Chairman,
Indian Institute of Carpet Technology, Bhadohi

निदेशक
भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान
(आई.एस.ओ. 9001:2008 प्रमाणित)
विकास आयुक्त (हस्तशिल्प),
वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार के अधीन
उ0प्र0 प्राविधिक विश्वविद्यालय द्वारा संबद्ध एवं
आभातशिप,भारत सरकार द्वारा अनुमोदित

Director,
Indian Institute of Carpet Technology
ISO 9001:2008 Certified
Under the aegis of the
development Commissioner (Handicrafts),
Ministry of Textiles, Govt. of India
Affiliated with U.P. Technical University
& Approved by AICTE, Govt. of India

प्रो0(डा) के.के.गोस्वामी
Pro. (Dr) K.K.Goswami

I take great pleasure in presenting the annual report of IICT for the year 2015-16, highlighting the major incidences during the year. The contents of this report reveal that management & staffs have put continuous & sustained efforts to achieve the set targets.

The performance of the Institute in all the portfolios like, Human Resource Development (HRD), Design Creation & Development (DCD), Research & Development (R&D) & Technical Support Service to Industry (TSI), remained satisfactory.

The passed out B.Tech students of IICT are Serving The Carpet & allied Industry up to the satisfaction of the employer and trying to contribute the best possible efforts in the journey towards the growth & development of the industry.

I hope that IICT will continue to move in the right direction to become a centre of Excellence in all the portfolios as mentioned above.

I am extremely thankful for the efforts and support of the Development Commissioner (Handicrafts) & Chairman, IICT, in all our endeavors to achieve the set targets.

I also acknowledge the support of Vice-Chairman, IICT, Executive Committee (EC) members, U.P.Gov. Local Administration, Dr. A.P.J. Abdul Kalam.Technical University, AICTE.

Co-operation from Carpet Export Promotion Council (CEPC),All India Carpet Manufacturer Association (AICMA), RCMEA,-Jaipur, EUPEA - Varanasi, AICEA-Mirzapur, AICYSDA-Bhadohi etc. has also been commendable.

Commitment of IICT Faculty & staff members has also been remarkable and I hope that the same would remain continue to maintain the set standards in the field of discipline & performance.

Prof.(Dr.) K.K.Goswami
Member Secretary & Director,IICT

फोन / Phone: + 91 5414 228404, 228409, 225504, फैक्स / Fax: 05414 225509
ई-मेल/ Email: iict@iict.ac.in, वेबसाइट / Website: http://iict.ac.in

विषय सूची : Contents

	पृष्ठ संख्या	Page Number	
भा0का0प्रौ0सं0: एक दृष्टि में	01	48	IICT- At A Glance
उपलब्धियाँ	02	49	Achievements
संस्थान कार्यकारिणी समिति	03-04	50-51	Executive Committee of IICT
गुणवत्ता नीति एवं लक्ष्य वक्तव्य	05	52	Quality Policy & Mission Statement
संस्थान के संविभाग	06-15	53-61	Institute's portfolio
परियोजनाऐं	16-19	62-65	Projects
शैक्षणिक एवं अन्य पाठ्येत्तर क्रियाकलाप	20	66	Academic and Other Curricular Activities
अधिकारियों/कर्मचारियों की सूचीं	21	67	Officers/ Employees List
संस्थान में आगमन	22	68	Visits to the institute
संगोष्ठी, सम्मेलन,कार्यशालाऐं,भागीदारी	23	69	Seminars, Conferences, Workshops,Participation
ग्राफिकीय प्रस्तुतिकरण	24	70	Graphical representation
अंकक्षित लेखा प्रपत्र एवं अंकेक्षक रिपोर्ट 2015–16	25-44	72-91	Audited Statement of Accounts and Auditor's Report 2015-16

भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान

परिचय

वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार ने **भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान** (आई0आई0सी0टी0) की स्थापना सन् 1998 में `संस्था पंजीकरण अधिनियम 1860 के अन्तर्गत एक सोसाइटी के रूप मे पंजीकृत कराकर स्थापित किया। संस्थान ने 2001 में 20 सीटो के साथ बी0 टेक0 पाठ्यक्रम संचालित कर अपना कार्य प्रारम्भ किया,जो कि अब 60 सीटें हो चुकी है। आई0आई0सी0टी0 सम्पूर्ण एशिया में अपने प्रकार का एकमात्र संस्थान है। आई0आई0सी0टी0 की स्थापना वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा कालीन एंव संबंधित उद्योगों को सभी अपेक्षित तकनीकी योगदान प्रदान करने हेतु की गई है। संस्थान ने छात्रों द्वारा उद्योग जगत की लम्बे अवधि से चली आ रही तकनीकी विशेषज्ञों की मांग पूरा करने की हर सम्भव प्रयास किया है। संस्थान उद्योगों की अपेक्षित आवश्यकतानुसार, प्राप्त अनुभव के अनुरुप, छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है। संस्थान से निकले अन्य प्रशिक्षित छात्रों ने भी उद्योग जगत में अहम भूमिका निभाते हुये उचित स्थान बनाया है। सस्थान आई0 एस0 ओ0 9001:2008 प्रमाणित है एवं इसकी प्रयोगशालायें `अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड` द्वारा प्रमाणित है। संस्थान के परीक्षण प्रमाण पत्र की मान्यता विश्व के तमाम देशो में है। संस्थान का बी0 टेक0 पाठ्यक्रम अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त एव ं डा0 ए. पी. जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ से सम्बद्य है।

संस्थान के बी0 टेक0 पाठ्यक्रम की सभी सीटो में प्रवेश **केन्द्रीय सीट निर्धारण बोर्ड (सी0एस0ए0बी0)** द्वारा किया जाता है। संस्थान, बी0 टेक0 के अतिरिक्त आई0 डी0 एल0 पी0 के अन्तर्गत 7 विभिन्न कोर्स एवं 3 अन्य अल्पकालिक कोर्स संचालित कर रहा है।

परिसर एवं सुविधाएँ

आई0आई0सी0टी0 विश्व में भारत के कालीन नगरी के नाम से प्रसिद्ध भदोही में स्थापित है। भारत सरकार ने भदोही एवं उसके सन्निकट जिलों के प्रसिद्ध कालीन क्षेत्र में इस संस्थान की स्थापना उन्हे हर सम्भव तकनीकी सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से की है। भदोही पावन नगरी वाराणसी से लगभग 45 किलोमीटर तथा प्रयाग नगर इलाहाबाद से लगभग 75 किलोमीटर और मीरजापुर से 30 किलोमीटर दूरी पर स्थित है। आई0आई0सी0टी0 परिसर भदोही रेलवे स्टेशन से लगभग 4 किमी की दूरी पर भदोही कस्बे के वाह्यांचल में मुख्य सड़क, चौरी रोड, पर स्थित है। परिसर पूर्णतया प्रदूषण रहित एवं अध्ययन और शोध के लिए एक शांतिमय वातावरण में है।

संस्थान परिसर 10 एकड़ से अधिक भू क्षेत्र पर फैला हुआ है, जिसके सुरूचिपूर्ण कलात्मक प्रशासनिक भवन में प्रशिक्षण कक्ष, प्रयोगशालायें, सम्मेलन कक्ष, पुस्तकालय, परिकल्पकक्ष, कार्यशाला,संगणक कक्ष, अध्यापक कक्ष तथा संग्रहालय स्थित हैं। परिसर में ही छात्र एवं छात्राओं के लिए अलग–अलग छात्रावास, कर्मचारियों के लिए आवासीय व्यवस्था तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों हेतु खुले वातावरण में रंगशाला, खेलकूद के मैदान, सभी प्रकार की सुविधाओं से सुसज्जित है। संस्थान हेतु उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा भदोही के पिपरिस नामक स्थान पर 16.5 एकड भूमि अधिग्रहित कर ली गयी है।जिसमें निर्माण व विकास कार्य किया जा रहा है।

The Textile Institute

FOUNDED 1910. INCORPORATED BY ROYAL CHARTER 1925. SUPPLEMENTAL ROYAL CHARTER 1955

Upon the recommendation of the Professional Qualifications Committee the Governing Council of The Textile Institute agreed to accredit the following programmes as fulfilling the academic requirements for the Associateship of The Textile Institute for the inclusive period Jan 2014 to Dec 2018

Indian Institute of Carpet Technology

B. Tech in Carpet & Textile Technology
(Specialisations: Advances in Carpet Technology/Home Textile Technology/ Textile Design Technology)

President

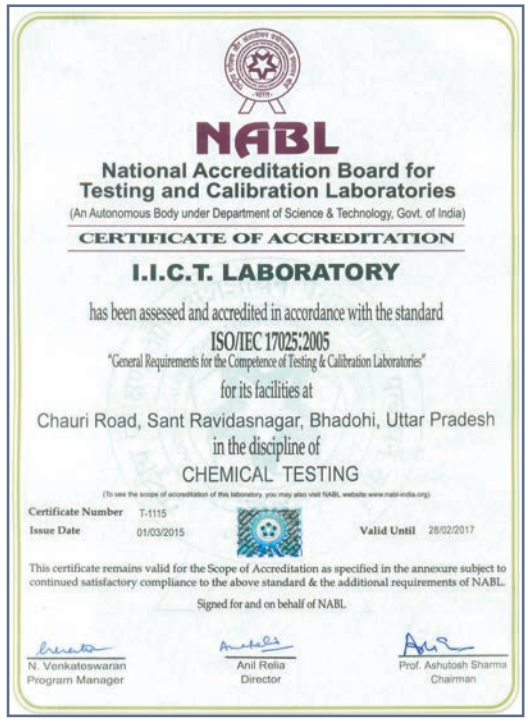

Chairman of Council

General Secretary

NABL

National Accreditation Board for Testing and Calibration Laboratories

(An Autonomous Body under Department of Science & Technology, Govt. of India)

CERTIFICATE OF ACCREDITATION

I.I.C.T. LABORATORY

has been assessed and accredited in accordance with the standard

ISO/IEC 17025:2005

"General Requirements for the Competence of Testing & Calibration Laboratories"

for its facilities at

Chauri Road, Sant Ravidasnagar, Bhadohi, Uttar Pradesh

in the discipline of

CHEMICAL TESTING

Certificate Number T-1115

Issue Date 01/03/2015

Valid Until 28/02/2017

This certificate remains valid for the Scope of Accreditation as specified in the annexure subject to continued satisfactory compliance to the above standard & the additional requirements of NABL.

Signed for and on behalf of NABL

N. Venkateswaran, Program Manager | Anil Relia, Director | Prof. Ashutosh Sharma, Chairman

SGS

Certificate SG12/03845

The management system of

Indian Institute of Carpet Technology (IICT)

Chauri Road, Bhadohi - 221 401, U.P., India.

ISO 9001:2008

Human Resource Development Services which includes B. Tech course in Carpet & Textile Technology & Short Term Courses; Technical Support Services for Industries; Research Services.

This certificate is valid from 07 March 2012 until 06 March 2015 and remains valid subject to satisfactory surveillance audits. Re certification audit due before 06 January 2015 Issue 1. Certified since 07 March 2012

UKAS MANAGEMENT SYSTEMS

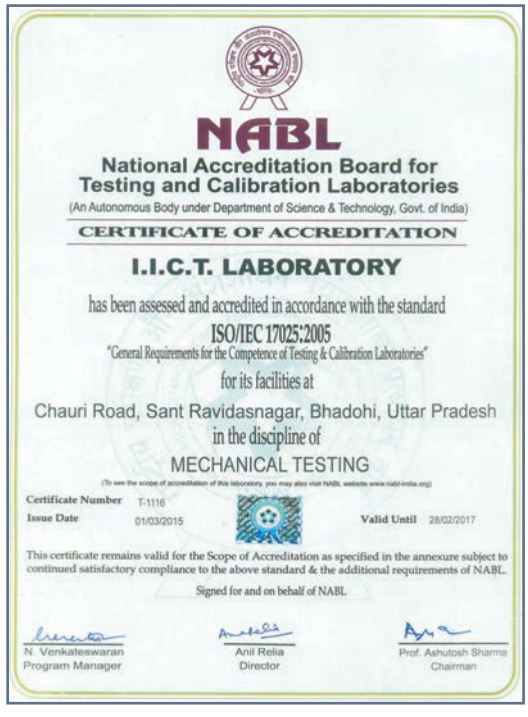

NABL

National Accreditation Board for Testing and Calibration Laboratories

(An Autonomous Body under Department of Science & Technology, Govt. of India)

CERTIFICATE OF ACCREDITATION

I.I.C.T. LABORATORY

has been assessed and accredited in accordance with the standard

ISO/IEC 17025:2005

"General Requirements for the Competence of Testing & Calibration Laboratories"

for its facilities at

Chauri Road, Sant Ravidasnagar, Bhadohi, Uttar Pradesh

in the discipline of

MECHANICAL TESTING

Certificate Number T-1116

Issue Date 01/03/2015

Valid Until 28/02/2017

This certificate remains valid for the Scope of Accreditation as specified in the annexure subject to continued satisfactory compliance to the above standard & the additional requirements of NABL.

Signed for and on behalf of NABL

N. Venkateswaran, Program Manager | Anil Relia, Director | Prof. Ashutosh Sharma, Chairman

समिति के सदस्य : 31 मार्च 2016 की स्थिति

1. विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) एवं अध्यक्ष, आई0 आई0 सी0 टी0, विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय, पश्चिम ब्लाक संख्या 7, आर0 के0 पुरम्, नईदिल्ली 110066।
2. श्री पी. के. ठाकुर, निदेशक (हस्तशिल्प) व प्रभारी– उपाध्यक्ष, आई0आई0सी0टी0, विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), कार्यालय, पश्चिम ब्लाक संख्या 7, आर0के0 पुरम्, नईदिल्ली –110066।
3. पदेन सचिव–लघु उद्योग एवं निर्यात संवर्धन ,उ0प्र0 शासन, चतुर्थ तल, सचिवालय, लाल बहादुर शास्त्री भवन (एनेक्सी) लखनऊ 226001 अथवा उनके द्वारा मनोनीत प्रतिनिधि।
4. पदेन निदेशक (वित्त) वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार, उद्योग भवन, नई दिल्ली अथवा उनके द्वारा मनोनीत प्रतिनिधि
5. पदेन मंडलायुक्त विन्ध्याचल मंडल मिर्जापुर, उत्तर प्रदेश।
6. पदेन जिलाधिकारी एवं कलक्टर, भदोही, उत्तर प्रदेश।
7. पदेन प्रबंध निदेशक, उ0 प्र0 निर्यात निगम, मोती महल, 2 ए, राना प्रताप मार्ग, लखनऊ।
8. पदेन अध्यक्ष/कार्यकारी निदेशक, कालीन निर्यात संवर्धन परिषद, तृतीय तल, निर्यात भवन, राव तुलाराम मार्ग वसंत विहार, रेफरल एन्ड रिसर्च आर्मी हास्पिटल के सामने , नई दिल्ली, 110 057.
9. पदेन अध्यक्ष, अखिल भारतीय कालीन निर्माता संघ, मर्यादपट्टी– भदोही
10. पदेन अध्यक्ष, इन्डियन वूलेन मिल्स फेडरेशन, चर्चगेट चेम्बर्स, सातवां तल,न्यू मैरीन,मुम्बई– 400020 अथवा महासचिव, अथवा उनके द्वारा मनोनीत सदस्यं।
11. श्री वरिष्ठ फैकल्टी/डीन /रजिस्ट्रार, भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान, भदोही, निदेशक के मनोनीत सदस्य।
12. श्री भोलानाथ बरनवाल, भोलानाथ इण्टरनेशनल लि0, जी. टी. रोड़, कछवॉ, वाराणसी 221 307
13. श्री के0 आर0 वाटल, मे0 चिनार इण्टरनेशनल, सी—153, सेक्टर 63 नोएडा –201301 उ0 प्र0
14. कार्यकारी निदेशक, केंद्रीय ऊन विकास बोर्ड, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार, सी 3,शास्त्री नगर, शास्त्री नगर सर्किल के नजदीक जोधपुर 342003 (राज0)
15. कार्यकारी निदेशक, राष्ट्रीय डिजाईन एवं उत्पाद विकास केंद्र द्वएन सी डी पी डीऋ (वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित) 43 ओखला इन्डस्ट्रियल इस्टेट मोदी फ्लॉर मिल्स के पीछे, नई दिल्ली, 110020
16. विभागाध्यक्ष, टेक्सटाईल्स् टेक्नोलाजी विभाग, इन्डियन इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी, हौज खास, नईदिल्ली।
17. प्रधानाचार्य, गवर्नमेंट कालेज आफ ईंजीनियरिंग एण्ड टेक्सटाईल्स् टेक्नोलाजी, 12, विलियम कारे रोड, सेरामपुर, हुगली, प0 बंगाल, 712201 भारत।
18. पदेन सचिव, वस्त्र समिति, वस्त्र मंत्रालय, वस्त्र केंद्र, पी.बालू रोड़, वीर सावरकर मार्ग, चौक, प्रभादेवी, मुंबई–400025
19. निदेशक, सी.एस.टी.आर.आई, सी. एस. बी. कम्प्लेक्स, बी.टी.एम. लेआउट, मदीवला, बंगलौर, 650 068।
20. डा0 आर0 एस0 राठौर, निदेशक,अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद(अभातशिप), सातवां तल चंद्रलोक बल्डिंग, जनपथ, नई दिल्ली 110 011।
21. प्रो0 अरिन्दम बासु, महा निदेशक , निट्रा, सेक्टर 23, राज नगर, गाजियाबाद–201002
22. निदेशक या उनके द्वारा नामित, वि0 नेशनल एक्रेडिटेशन बोर्ड फार टेस्टिंग एण्ड कैलिब्रेसन लैबोरेटरीज, एन ए बी एल हाउस, प्लाट, 45, सेक्टर 44, गुड़गावं, –122002 हरियाणा।
23. मि0 एन के चौधरी, एम डी व सी ई ओ, जयपुर रग्स क0 प्रा0 लि0, जी 250 मानसरोवर इन्डस्ट्रियल एरिया, गैलेक्सी के नजदीक,जयपुर–राजस्थान, 302020
24. व0 सहायक निदेशक (आई0आई0सी0टी0) वि0 आ0 (हस्तशिल्प) कार्यालय, पश्चिम ब्लाक संख्या7,आर0के0पुरम्, नईदिल्ली 110066

कार्यकारिणी समिति की सम्पन्न बैठकें

वर्ष के दौरान

53वीं ई सी बैठक नई दिल्ली में	दि0 15.03.2016
52वीं ई सी बैठक भदोही में	दि0 01.11.2015
51वीं ई सी बैठक नई दिल्ली में	दि0 08.09.2015
50वीं ई सी बैठक नई दिल्ली में	दि0 19.05.2015
14वी वार्षिक सामान्य बैठक नई दिल्ली में	दि0 19.05.2015

भाकाप्रौसं

संगठनात्मक ढांचा

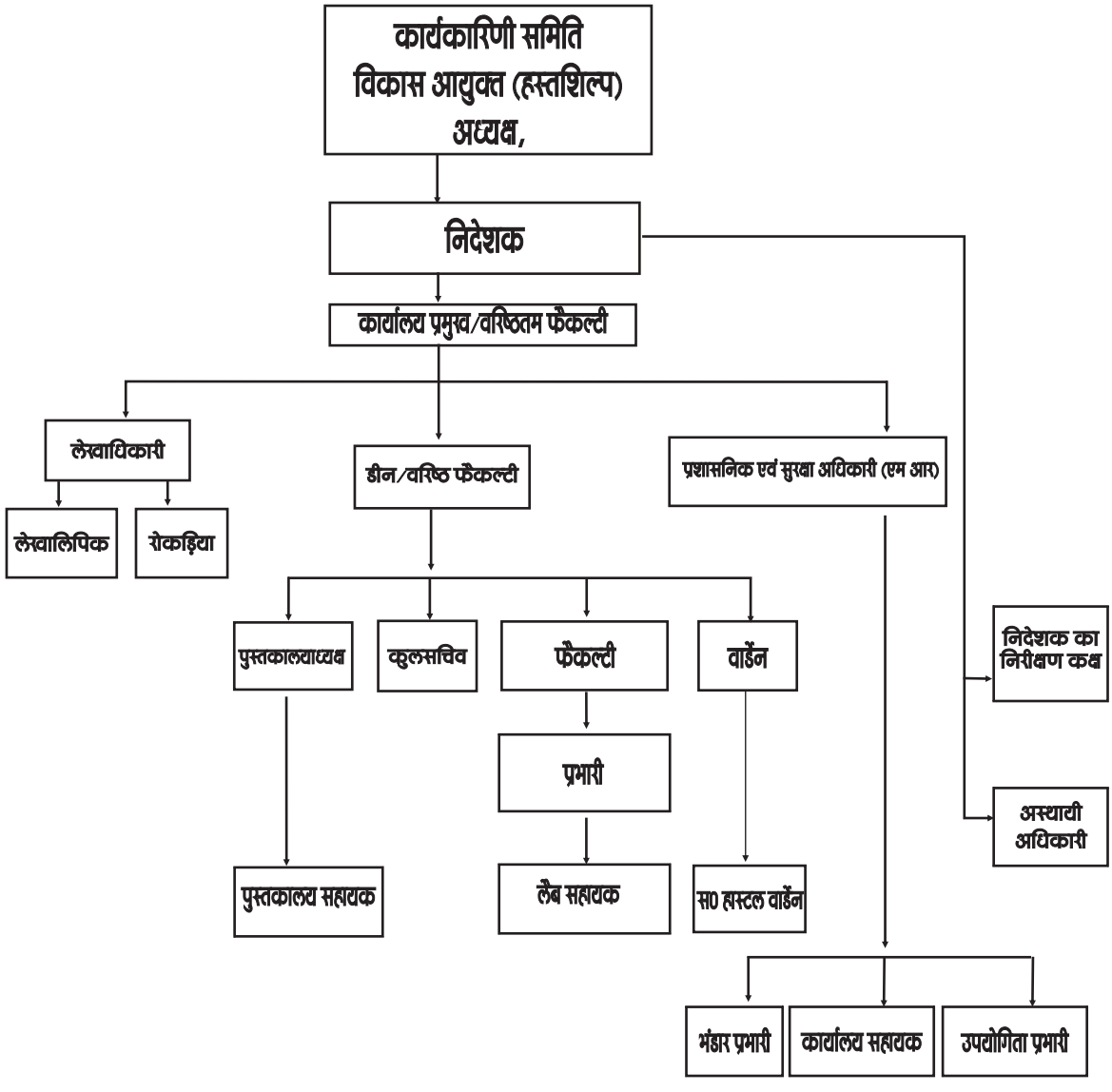

गुणवत्ता नीति

- संस्थान के छात्रों को गुणवत्तापूरक शिक्षा देना जो सहभागियों की पूर्वानुमानित आवश्यकताओं को पूर्ण करने का लक्ष्य पूराकर सके।
- उद्योग एवं अन्य सभी सहभागियों को समस्त विभागों मे सामयिक एवं सन्तोषजनक सेवाएँ प्रदान करना।
- मानदण्डों की आवश्यकताओं का पालन करते हुए गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली को निरन्तर उन्नत करना।

भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान का आई0 एस0 ओ0 9001.2008 प्रमाणन

भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान को आई0 एस0 ओ0 9001.2008 प्रमाणित किया गया है। संस्थान , आई. एस. ओ. 9001 के मानक को पूर्ण करते हुए कार्यरत है।

परीक्षण का क्षेत्र निम्नवत् रहा –

1.मानव संसाधन विकास सेवाएँ जिसमें शामिल है– कालीन और वस्त्र तकनीकी में बी0टेक0 पाठ्यक्रम एवं अन्य अल्पावधि पाठ्यक्रम।

2.उद्योगों के लिए तकनीक समर्थित सेवाएँ– उदाहरणत: व्यवसायिक जॉच, कालीनों, कपड़ों एवं अन्य संबन्धित वस्तुओं के नमूनों का विकास।

3.शोध सेवाएँ।

लक्ष्य–वक्तव्य * कर्मचारी

हम, भारतीय कालीन प्रौद्यौगिकी संस्थान के स्टाफ सदस्य शपथ लेते हैं कि :

हम प्रतिदिन की समन्वय तथा/या साप्ताहिक पुन:निरीक्षण बैठकों के माध्यम से सभी प्रकार के मुद्दों को सुलझाने का प्रयास करेंगें। इस व्यवस्था के तहत सभी स्टाफ सदस्य भा0का0प्रौ0स0 प्रबन्धन का हिस्सा बनेंगे तथा निष्ठा के साथ प्रसन्न रहेंगे।

- हम प्रो0(डा0) के0के0गोस्वामी, निदेशक, भा0का0प्रौ0स0 के निर्देशन में इस भागीदारी प्रबन्धन व्यवस्था के तहत कार्य करने के लिये प्रतिबद्ध है, जिससे कि सभी प्रतिष्ठा धारक जैसे कि उद्योग सहयोगी, छात्रा छात्राऐं,वस्त्र मंत्रालय, कार्यालय विकास आयुक्त (हस्तशिल्प),वितरक/ठेकेदार/सेवा प्रदान करने वाले/समाज, संचारतंत्र आदि सभी भा0 का0 प्रौ0 स0 का एक अभिन्न अंग बन सकें।
- हम त्वरित कार्यवाही स्वीकार करने, दिये गये कार्य संस्कृति विकसित करने के लिये प्रतिबद्ध हैं। भा0का0प्रौ0स0 इस तरह से सभी प्रकार की गुणवता पद्धति को मन तथा वचन से स्वीकार करते हुए एक कार्य संस्कृत विकसित करने के लिये प्रतिबद्ध है।

भा0का0प्रौ0स0 इस तरह से सभी प्रकार की गुणवता पद्धति जैसे कि आई0एस0ओ0 9000, एन0 ए0 बी0 एल0, वूलमार्क अपनाने के लिये कटिबद्ध है।

लक्ष्य–वक्तव्य ** विद्यार्थी

हम, भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान के विद्यार्थी शपथ लेते हैं कि :

- हम एक आदर्श मापदण्ड निर्धारित करेगें तथा नवागन्तुक विद्यार्थियों से अच्छा व्यवहार करेगें तथा उनसे भी यही अपेक्षा रखेगें।
- हम कक्षाओं में समय पर तथा नियमित रहेंगें व शत–प्रतिशत उपस्थिति रखेगें।
- हम कड़ी मेहनत करेगें तथा अपनी शैक्षणिक गतिविधियों में अच्छा परिणाम देगें।
- हम विश्वविद्यालयी परीक्षाओं में अच्छा करेगें व यह सुनिश्चित करेगें कि कोई कैरी ओवर/बैकलाग न हो।
- हम अनुशासन व संस्थान की मर्यादा बनाये रखते हुए भा0 का0 प्रौ0 सं0 के शिक्षकों/स्टाफ सदस्यों का सम्मान करेगें।
- हम प्रयोगशालाओं/ढांचा/प्रांगण विकास के लिए स्वेच्छा से श्रमदान करते हुए निष्ठावान रहेगें।
- हम एक इकाई के रूप में कार्य करेगें व अपने कनिष्ठ विद्यार्थियों व स्वयं के लिए शैक्षणिक के साथ ही साथ सहशैक्षणिक गतिविधियों में नई ऊँचाईयां तय करेगें, जिससे कि इस संस्थान को एक उत्कृष्टता का केन्द्र व ज्ञान का मंदिर बनाने का स्वप्न साकार हो सके।
- हम अपने भविष्य के लिए विश्वसनीय एवं उत्कृष्ट बनेगें तथा भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान के लिये छाया चिन्ह बनेगें।

आई0आई0सी0टी0 निम्नलिखित चार संविभागो पर कार्य कर रहा है

▸ संविभागानुसार कार्यों का विवरण :

मानव संसाधन विकास (एच.आर.डी.)

■ बी0 टेक0 (कालीन एवं वस्त्र प्रौद्योगिकी) स्नातक पाठ्यक्रम

- 373 उत्तीर्ण छात्र, विभिन्न कालीन, वस्त्र एवं संबन्धित उद्योग संगठनो में कार्यरत।
- 252 छात्र, अध्ययनरत

वर्तमान में, कुल 60 सीट कालीन वस्त्र प्रौद्योगिकी (सी0 टी0 टी0) के अतिरिक्त गृह वस्त्र प्रौद्योगिकी (एच0 टी0 टी0) और वस्त्र डिजाईन प्रौद्योगिकी (टी0 डी0 टी0) के समन्वय में विभाजित है। जिसमें से प्रत्येक में 20 विद्यार्थी विशेषज्ञता प्राप्त करेंगे।

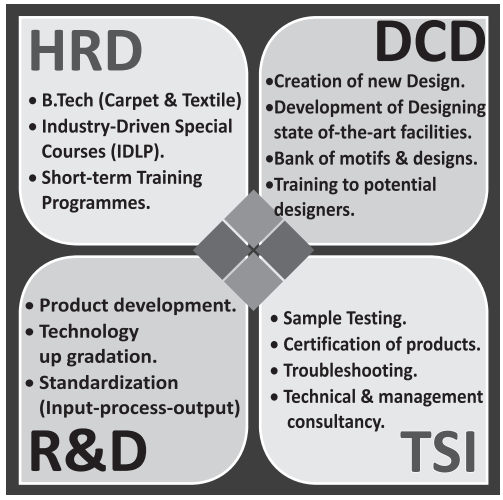

■ अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम :

- व्यापक हस्तशिल्प क्लस्टर विकास योजना (सी0 एच0 सी0 डी0 एस0) परियेजना –इस योजना के अन्तर्गत 1450 प्रशिक्षणार्थी, प्रशिक्षित किए गए

उद्योगोन्मुख विशेष पाठ्यक्रम और अन्तर्राष्ट्रीय दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम पैकेज – 11 छात्र, अध्ययनरत

आई0आई0सी0टी0 द्वारा एजी रिसर्च न्यूजीलैण्ड के साथ संचालित अन्तर्राष्ट्रीय दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रमके अंतर्गत निम्नलिखित विषयों (प्रति विषय प्रशिक्षण शुल्क की दर रू0 6000/– मात्र) में नामांकन कराकर उद्योग संगठन लाभ ले सकते है। आई0 डी0 एल0 पी0 डिप्लोमा धारी छात्रों को बी0 टेक कोर्स हेतु योग्य/ उपयुक्त बनाने हेतु प्रयास जारी है।

1. बुनियादी वस्त्र प्रौद्योगिकी डिप्लोमा (छः प्रमाणपत्र विषयक)
2. ऊन सफाई प्रौद्योगिकी (छः प्रमाणपत्र विषयक)
3. वस्त्र रंगाई एवं परिष्करण (छः प्रमाणपत्र विषयक)
4. कालीन सूतों का निर्माण (छः प्रमाणपत्र विषयक)
5. कालीन तकनीकी (छः प्रमाणपत्र विषयक)
6. वस्त्र सूतों का निर्माण (छः प्रमाणपत्र विषयक)
7. कालीन एवं वस्त्र परिकल्पन (छः प्रमाणपत्र विषयक)

परिचय

भारत सरकार ने भदोही– मिर्जापुर के पारंपरिक कालीन क्षेत्र में बडे पैमाने पर बुनियादी सुविधाओ और उत्पादन श्रृखला के लिए व्यापक हस्तशिल्प क्लस्टर विकास योजना (सी.एच.सी.डी.एस.) के अन्तर्गत कालीन निर्माण के लिए मेगा क्लस्टर विकसित करने का फैसला किया है। भदोही–मिर्जापुर और आसपास के क्षेत्रों के असंगठित और आधुनिकीकरण एवं विकास प्रकियाओ के साथ तालमेल नही रखा जा सका ।कार्यक्रम व्यापक विकास योजनाओ को एक साझेदारी के आधार पर विभिन्न योजनाओं के माध्यम से तैयार की गई है और लागू किया गया है। जिसके लिये बाजार सम्पर्क और उत्पाद विविधिकरण के साथ मिलकर आधारभूत सुविधाओं के उन्यन के समर्थन की उम्मीद है। उत्पादन और निर्यात पर बढवा देने के लिए स्थानियक बुनकरों के कारोबार की जरूरत पूरा करने के एवं विश्व स्तर के बुनियादी ढ़ाचे के साथ भदोही कालीन मेगाक्लस्टर योजना का उद्धेश्य भदोही मिर्जापुर कालीन क्षेत्र का विकास करना

व्यापक हस्तशिल्प क्लस्टर विकास योजना (सी.एच.सी.डी.एस.) की रणनीति का मूलतत्व

क. भारत सरकार द्वारा चल रही विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत उपलब्ध संसाधनों का एकीकरण

ख. केन्द्र / राज्यसरकारों और विभिन्न हित धारको के बीच सहयोग के रूप में सर्वजनिक निजी भागीदारी (पी. पी. पी.)

ग. क्षमता निर्माण के लिए सकिय और मजबूत तकनीकी और कार्यकम प्रबन्धन सहायता

घ. एक सक्षम पेशेवर एजेंसी के माध्यम से हस्तक्षेप करने और उनके कार्यान्वयन की डिजाइनिंग ।

भदोही मिर्जापुर के कालीन मेगाक्लस्टर के विश्लेषणात्मक अध्ययन में, वैश्विक आर्थिक मन्दी के दौरान काम की कमी के कारण कई बुनकर रोजगार के वैकल्पिक कारण अपनाने के लिए मजबूर है। कुछ बुनकर कालीन क्लस्टर से खुद को बाहर कर दिया हैं, जबकि अन्य कई लोग ने कृषि पर निर्भर रहना शुरू कर दिया हैं। वैश्विक मॉग के पुनर्जीवित होने पर वर्तमान परिदृश्य में प्रशिक्षित बल की कमी से अपने आर्डर को पूरा करने में असमर्थ है। भदोही कालीन क्लस्टर–इस परिपेक्ष्य में यह समझना होगा की भदोही मिर्जापुर क्लस्टर में हैण्डनाटेड व हैण्डटफ्टेड कालीन बुनाई के नये बुनकरों को प्रशिक्षण उपलब्ध कराना होगा।

कार्यक्रम का उद्देश्य

नए 1450 बुनकरों (18 वर्ष तथा उससे उपर के) को हैण्ड नाटेड व हैण्ड टफ्टेड में कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना है ताकि बुनकरों की कमी पूरी करना, कौशल उन्नयन कार्यक्रम का उद्देश्य है

वर्ष 2012–13 में 5000 प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण देने के लिए, कार्यालय विकास आयुक्त हस्तशिल्प, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा इस कार्यकम को अनुमोदित किया।

वैकल्पिक नियोजनीय कौशल एम.ई.एस. की पाठ्यसूची को उपरोक्त शिल्प हेतु शामिल किया गया है जिसे डीजीईटी,श्रम एवं रोजगार मंत्रालय भारत सरकार नें अनुमोदित किया है

सी एच सी डी एस परियोजना के अन्तर्गत विभिन्न गतिविधियो की कुछ छवियां :–

सी एच सी डी एस परियोजना (फेज –2) के अन्तर्गत कालीन बुनाई प्रशिक्षण केंद्रों का विवरण निम्न है।

1. पारित होने की ता0: प्रथम वर्ष: – 16.03.2012, राशि – 146.00 लाख, प्रशिक्षुओं की संख्या – 2050
2. पारित होने की ता0: द्वितीय वर्ष: – 24.09.2015, राशि – 109.50 लाख, प्रशिक्षुओं की संख्या – 1450

क्र. स.	केंद्र का स्थान	जिला	प्रशिक्षुओं की संख्या	माड्यूल का नाम	प्रारंभ होने की तारीख	पूर्ण होने की तारीख
1.	पुरूषोत्तमपुर–1	भदोही	50	हैंड नाटेड	29/12/2015	28/03/2016
2.	पुरूषोत्तमपुर–2	भदोही	50	हैंड नाटेड	29/12/2015	28/03/2016
3.	पकरी कलां–1	भदोही	50	हैंड टफटेड	29/12/2015	28/03/2016
4.	पकरी कलां–2	भदोही	50	हैंड टफटेड	29/12/2015	28/03/2016
5.	गजधरा	भदोही	50	हैंड नाटेड	29/12/2015	28/03/2016
6.	भजईपुर–1	भदोही	50	हैंड टफटेड	9/12/2015	28/03/2016
7.	भजईपुर–2	भदोही	50	हैंड टफटेड	29/12/2015	28/03/2016
8.	खमरिया–1	भदोही	50	हैंड टफटेड	29/12/2015	28/03/2016
9.	खमरिया–1	भदोही	50	हैंड टफटेड	29/12/2015	28/03/2016
10.	महराजगंज–1	भदोही	50	हैंड नाटेड	30/12/2015	29/03/2016
11.	महराजगंज–1	भदोही	50	हैंड नाटेड	30/12/2015	29/03/2016
12.	पुरे उचित	भदोही	50	हैंड टफटेड	31/12/2015	30/03/2016
13.	मोढ़ (पुरानी बाजार)	भदोही	50	हैंड नाटेड	31/12/2015	30/03/2016
14.	अमलीहरा	भदोही	50	हैंड नाटेड	31/12/2015	30/03/2016
15.	तिलथी	मिर्जापुर	50	हैंड टफटेड	29/12/2015	28/03/2016
16.	नेवढ़िया–1	मिर्जापुर	50	हैंड नाटेड	29/12/2015	28/03/2016
17.	नेवढ़िया–2	मिर्जापुर	50	हैंड नाटेड	29/12/2015	28/03/2016
18.	बसंतपट्टी–1	मिर्जापुर	50	हैंड नाटेड	30/12/2015	29/03/2016
19.	बसंतपट्टी–2	मिर्जापुर	50	हैंड नाटेड	30/12/2015	29/03/2016
20.	पकरी	मिर्जापुर	50	हैंड नाटेड	30/12/2015	29/03/2016
21.	जसोवर–1	मिर्जापुर	50	हैंड टफटेड	30/12/2015	29/03/2016
22.	जसोवर–2	मिर्जापुर	50	हैंड टफटेड	30/12/2015	29/03/2016
23.	उसरहवां	मिर्जापुर	50	हैंड टफटेड	30/12/2015	29/03/2016
24.	कठिनइ	मिर्जापुर	50	हैंड टफटेड	30/12/2015	29/03/2016
25.	केवटा–1	सोनभद्र	50	हैंड नाटेड	30/12/2015	29/03/2016
26.	केवटा–2	सोनभद्र	50	हैंड नाटेड	31/12/2015	30/03/2016
27.	बिसरेखी	सोनभद्र	50	हैंड नाटेड	31/12/2015	30/03/2016
28.	डोडिहार	सोनभद्र	50	हैंड नाटेड	30/12/2015	29/03/2016
29.	भीटी	इलाहाबाद	50	हैंड नाटेड	29/12/2015	28/03/2016
कुल प्रशिक्षुओं की संख्या			**1450**			
हैंड नाटेड मे प्रशिक्षुओं की संख्या			**800**			
हैंड टफ्टेड मे प्रशिक्षुओं की संख्या			**650**			

परिचय

विभिन्न संगठन एवं संस्थाओं ने विशेषत: कम पढ़े लिखे एवं गरीब युवा छात्रों के लिए कौशल विकास कार्यक्रमों पर प्रभाविक प्रबल कदम उठाने के लिए जोर दिया। बदलते हुये समावेष एवं परिवेष में कार्मिकों के कौशल विकास एवं शैक्षणिक उपलब्धि ही उत्पादकता, आय के श्रोत एवं संगीकरण को सुनिश्चित करता है। भारत की अधिकांश जनता गरीबी रेखा के नीचे है। मुख्य कारण कार्मिकों में कम निपुणता/कुशलता का होना है।

वर्तमान में कौशल्य विकास मूलत: अनौपचारिक ढंग से हो रहा है। लोग कुशलता कार्यस्थल पर ग्रहण करते हैं, जब वे अपने मातापिता, रिश्तेदार और मालिकों की सहायता करते हैं। ये लोग कोई औपचारिक प्रमाणपत्र नहीं प्राप्त कर पाते और वस्तुत: मालिकों द्वारा शोषण के पात्र बनते हैं। ये परिवार के सामाजिक आर्थिक खराब स्थितियों के कारण अनौपचारिक पद्धति से अपने जीविकोपार्जन के लिये कार्य करते हैं तथा औपचारिक कोर्स, प्रशिक्षण या पढ़ाई नहीं कर पाते। चूँकि उत्पादकता बहुत कम है, इसलिये इनका योगदान राष्ट्रीय जी0डी0पी0 के लिये ठुकराया नहीं जा सकता। अधिकृत प्रमाणीकृत यदि देश एक तंत्र की व्यवस्था कर दे जिससे कार्मिकों के कुशलता का प्रमाणीकृत किया जा सके तो कार्मिकों का न केवल प्रमाणीकरण होगा बल्कि उनके आर्थिक अनिवार्यता को देखते हुए उन्हें प्रशिक्षण प्राप्त होगा। इससे कार्मिकों को एक अच्छे स्तर का रहन सहन उपलब्ध होगा और साथ ही अच्छी उत्पादकता से राष्ट्रीय आर्थिक स्थिति बढ़ेगी।

बड़े संख्या में पाठ्कम छोड़ने वाले छात्रों से संबंधित अन्य समस्या का निराकरण होना अतिआवश्यक है। (लगभग 63 प्रतिशत छात्र 10 वीं कक्षा में पहुँचने से पहले ही वियालय छोड़ देते है।)

वैकल्पिक नियोजनीय ज्ञान आधारित ज्ञान विकास का प्रारुप

ज्ञान विकास हेतु बहुत ही कम अवसर संदर्भित ग्रुप के लिए उपलब्ध है। (विशेषत: अनौपचारिक क्षेत्र के युवा स्कूल छात्र एवं कार्यरत कार्मिक)। बहुत से प्रचलित ज्ञान विकास कार्यकम प्राय: दीर्घकालीन हैं। यह उनके शैक्षणिक, सामाजिक एवं आर्थिक स्तर को दृष्टिगत रखते हुए आवश्यक समझा गया। गरीब एवं कम पढ़े लिखे लोग दीर्घकालीन ट्रेनिंग कार्यकम उच्च शिक्षा का आधार लेने से कार्यक्रम में भाग लेने में सक्षम नहीं रहते। कालीन एवं वस्त्र उद्योग जैसे अनौपचारिक क्षेत्र हेतु ज्ञान विकास के लिए आई आई सी टी द्वारा एक नये कार्यक्रम का प्रादुर्भाव किया गया जो कि डी जी ई टी द्वारा उक्त लिखित समस्याओं के निदान एवं विचार विमर्श हेतु प्रस्तुत किया गया है।

कार्यक्रम की अवधि

योग्यता अर्हित करने के लिये समय अंतराल लचीले ढंग से विभिन्न अनुभव एवं पृष्टभूमि के लोगों के लिये कार्यप)ति के अनुरूप परिवर्तनीय रहेगा। प्रशिक्षण कार्यकम सामान्य अन्तराल का विवरण प्रस्तुत रहेगा जो कि एम0ई0एस0 माइयूल के अनुरूप आधारित रहेगा।

एम0 ई0 एस0 के लिये धारणा

- न्यूनतम कुशलता/निपुणता का माप दण्ड निर्धारित करना, जिससे श्रम बाजार में रोजगार प्राप्त हो सके।
- लचीले अंदाज में स्किल अपग्रेडेशन, बहुमुखी निपुणता, बहुमुखी प्रवेश व निकास, सीधे स्तम्भीय गति शीलता एवं जीवनपर्यन्त सीखने के अवसर प्रदान करने की स्वीकृति।
- यह पूर्व प्रशिक्षण को प्रमाणीकृत करते हुए स्वीकृति प्रदान करे (अनौपचारिक ढंग से निपुणता/कौशल्य ग्रहण किया जाना)।
- ऐसा नियोजित किया गया कि जब एक समूह में ग्राह्य हो तो वह राष्ट्रीय ट्रेड प्रमाण या उससे ऊँचे के बराबर योग्यता में परिणत हो सके।
- नियोक्ता संगठन के आवश्यकतानुसार विभिन्न स्वप्रेरित प्रशिक्षण में स्तर एक से तीन तक शिक्षा पाठ्यकम उपलब्ध।

<u>एम0 ई0 एस0 विभिन्न निम्नलिखित लक्ष्य समूहों को लाभ देगा:</u>

- अनौपचारिक ढंग से ग्रह्य कार्मिकों द्वारा कुशलता/ निपुणता के लिए प्रमाणीकरण समस्या।
- कार्मिकों द्वारा स्किल अपग्रेडेशन की समस्या।
- असमय स्कूल छोड़ना और नौकरी न पाने की समस्या।

पाठ्यकम विकास प्रकिया

निम्न प्रकिया पाठ्यकम विकास हेतु अपनायी जा रही है :

- श्रमिक बाजार में कार्य की श्रेणी के आधार पर नियोज्य कुशलता की पहचान करना।
- परीक्षण विकास माड्यूल का विकास कुशलता के अनुरूप पहचानना ताकि विशेष एवं अनुकुल उद्देश्य हेतु प्रशिक्षण दिया जा सके
- सुनियोजित ढंग से पाठ्य कार्यकम निर्धारित करना तथा सीधे एवं तिरछे गतिशीलता को परिलक्षित करना। पाठ्यकम का मैट्रिक्स विभिन्न माड्यूल में चित्रास्तरीय संबंध का द्योतक है एवं उच्चस्तरीय माड्यूल के लिये पूर्वाग्रह से आशक्त साथ ही अवगत कराना है कि किस तरह एक स्तर से दूसरे स्तर तक जाया जा सकता है।
- विस्तृत पाठ्यकम का विकास एवं उसकी व्यापार समिति व एन0 सी0 वी0टी0 द्वारा सूक्ष्म तथा गहरी जॉच कराया जाना (नियोक्ता के संगठनों,राज्य सरकार, निपुण सलाहकार, प्रेरित प्रशिक्षणदाता एवं अन्य स्तम्भ स्तरीय लोगो का नजदीकी लगाव सुनिश्चित करना)।
- योग्यता की उपलब्धि किसी भी स्वीकृत प्रशिक्षण कार्यकम द्वारा, अथवा
- स्वीकृत प्रशिक्षण कार्यकम एवं पूर्व शिक्षा एवं केडिट ट्रान्सफर के संयोग से , अथवा
- पूर्व शिक्षा की स्वीकृति जो कि उपलब्धि एवं सक्षमता के आधार पर योग्यता अर्हित करने के लिये साक्ष्य होंगे।

नियुक्तोक्त कौशल माड्यूल परीक्षा केन्द्र

◆ एन0सी0वी0टी0, डी0जी0ई0टी0, श्रम मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा भा0 का0 प्रौ0 स0 को नियुक्तोक्त ज्ञान माड्यूल का परीक्षा केन्द्र चिन्हित किया गया है। कालीन एवं वस्त्र के विभिन्न क्षेत्रो में 22 माड्यूलो को स्वीकृति दी गयी है। आइ0एस0टी0डी0, नई दिल्ली द्वारा संस्थान में विगत वर्षो में परीक्षा का आयोजन किया गया जिसमे कुल 69 छात्र–छात्राएं सम्मिलित हुये। कुल 33 छात्र–छात्राओं ने सफलता प्राप्त किया जिन्हे श्रम मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रमाण पत्र दिया गया। भा0 का0 प्रौ0 स0 सभी 22 माड्यूलो के पाठ्य सामग्री विकास प्रक्रिया में कार्य कर रहा है।

इस योजना के अर्न्तगत निम्न पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं।

क्र.स.	विवरण
	माड्यूल : प्रमाणपत्र स्तर – I
1.	हस्तगठित उनी कालीन विनिर्माण
2.	तिब्बती कालीन विनिर्माण
3.	सपाट बुनी दरी विनिर्माण
4.	उनी कालीन धागे की हाथ द्वारा कताई
5.	सूती कालीन धागे की हाथ द्वारा कताई
6.	हैंड टफ्टेड कालीन विनिर्माण
7.	ब्राडलूम कालीन विनिर्माण
8.	कालीन धागे की रंगाई
9.	कालीन फिनिशिंग–1
10.	कालीन से संबन्धित कपडे का विनिर्माण
	माड्यूल : प्रमाणपत्र स्तर – I
11.	उद्यमिता और निर्यात प्रबंधन

क्र.स.	विवरण
12.	कालीन डिजाइनिंग कैड
13.	हस्त गठित सिल्क कालीन का विनिर्माण
14.	कालीन के लिए प्राकृतिक रेशे
15.	उनी धागे की कताई
16.	सूती धागे की कताई
17.	कालीन पृष्ठावरण विनिर्माण
18.	कालीन धागे की प्राकृतिक रंगो द्वारा रंगाई
19.	कालीन फिनिशिंग– 2
20.	कालीन से संबन्धित कपडे की डिजाइनिंग
21.	सूचना प्रौद्योगिकी के सिधांत और कालीन उद्योग में इसका प्रयोग
	माड्यूल : प्रमाणपत्र स्तर – III
22.	आधुनिक कालीन धागा विनिर्माण

उपर छपे किसी भी कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी संबन्धित कार्यक्रम समन्वयक व संस्थान की वेबसाईट पर उपलब्ध है।

1.4 कालीन खंड के लिए नियुक्तोक्त ज्ञान माडुलर आधारित पाठ्यकम ढांचा

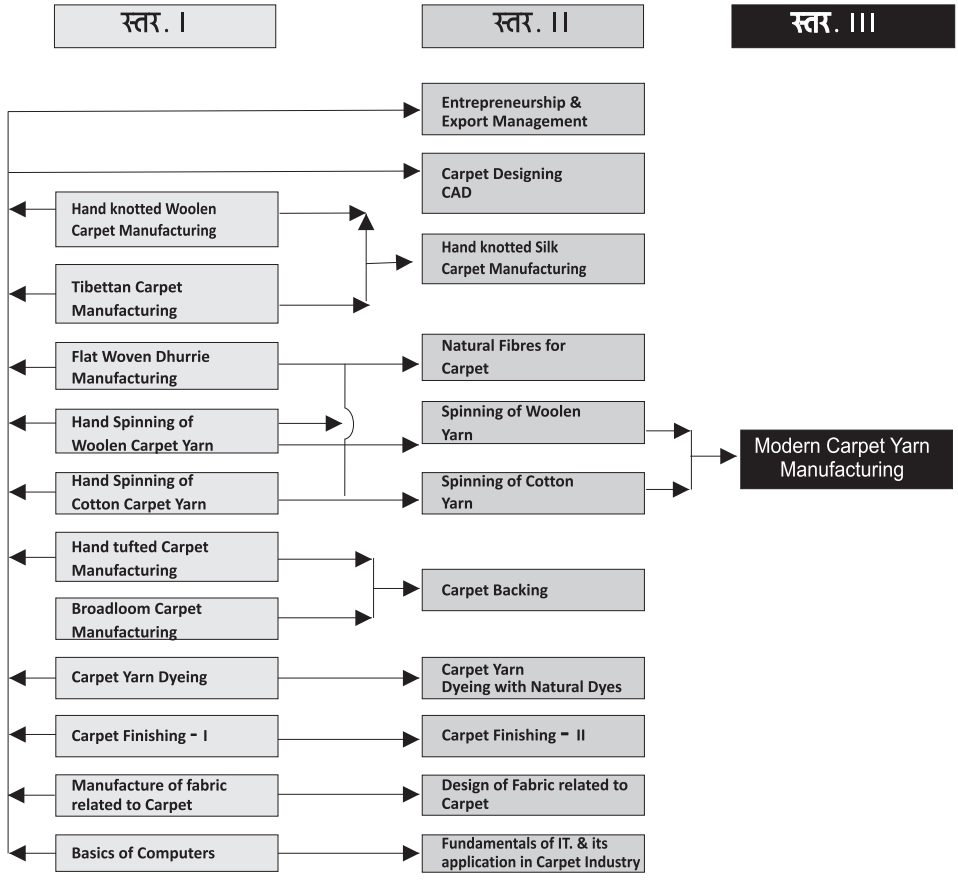

संस्थान में दीर्घावधि बी0टेक एवं सनद (डिप्लोमा) विषयक पाठ्यक्रमों में अध्ययन आरंभ है।

वर्ष 2001 से कालीन एवं वस्त्र प्रौद्योगिकी सी0 टी0 टी0 पाठ्यक्रम में बी0 टेक0 की शुरूआत हुई है, इसके उपरान्त कालीन प्रौद्योगिकी कोर्स पाठ्यकम मे विशिष्टता(CTT), घरेलू पहनने योग्य वस्त्रों की प्रौद्योगिकी (HTT) वस्त्र डिजाइन प्रौद्योगिकी को भी समग्र रूप से बी0 टेक0 सी0 टी0 टी0 पाठ्यकम में समवित किया गया है जिसे डाक्टर ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय लखनऊ से अनुमोदन प्राप्त है और टेक्सटाइल इंस्टीट्यूट मैनचेस्टर, यू0 के0 से प्रत्यायित है। भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान भदोही (उत्तर प्रदेश) को स्टार पर्फामर होने पर डाक्टर ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय लखनऊ का दो बार पुरस्कार प्राप्त हो चुका है।

431 विद्यार्थी, विभिन्न उद्योगों(जिसमे उच्च शिक्षा शामिल है) जैसे IITS, NITIE, ISM, IIM, NIFT प्रतिष्ठित मुख्य संस्थानों में ` अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

252 छात्र स्नातक उपाधि प्राप्त करने जा रहे है प्रत्येक वर्ष जुलाई महीने में 60 विद्यार्थी नौकरी देने के लिए उपलब्धी तैयार होते हैं जिन्हें उद्योगों आगे आने एवं इन्हें संसाधन के उपयोग करने की अपेक्षा की जाती है।

आगामी योजनाः– आगामी योजनानुसार कार्पेट एण्ड टेक्सटाइल प्रबन्धन पाठ्यकम एवं पूर्व पी0 एच0 डी0 (वस्त्र) पाठ्यकमों में 20 छात्रों को समाविष्ट करना संस्थान द्वारा प्रस्तावित है। कार्पेट एण्ड होम टेक्सटाइल के उत्पादन जैसे फैशन/स्टाईल/टेक्स्चर, डिजाइन, इन्फार्मेशन टेक्नालाजी इ.डी.पी. पर्सनालिटी डेवलपमेंट लैंग्वेज स्किल एवं इंगलिश के अतिरिक्त अन्य विदेशी भाषाओं के अध्ययन/अध्ययन की व्यवस्था एवं सुधार हेतु कुछ और प्रयोगशालाओं का निर्माण प्रस्तावित है। ताकि नवीन किया कलापों अपूर्वता हासिल हो सके।

उपरोक्त प्रयासो के कम में भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान भदोही (उ0 प्र0) युक्त पवित्र पहुँच की कामना करता है। डी0 पी0 आर0 फेज–तीन के विस्तार की योजना रोड मैप में दर्शित है।

अन्तराष्ट्रीय दूरस्थ शिक्षा प्राप्ति कार्यकम

(आई0 डी0 एल0 पी0)

भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान भदोही ने ए0 जी0 रिसर्च न्यूजीलैण्ड के सहयोग से एवं DEC, IGNOU मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित अन्तर्राष्टीय दूरस्थ शिक्षा प्राप्ति कार्यकम के तहत प्रमाण–पत्र उपाधिपत्र के अध्ययन पाठ्यकम की शुरूआत की है। छात्रों का नामॉकन की प्रकिया चल रही है, कार्यशील व्यक्ति इसका फायदा विस्तृत रूप से ले सकते है।

अल्पावधि पाठ्यकम भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान भदोही उद्योगों में उपयोगी अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यकमों को समय–समय पर कार्यान्वित करता रहता है।

माइयूलर इम्प्लायमेन्ट स्कीम(एम.इ.एस.) में आधारित पाठ्यकमः–

कालीन निर्माण में कम्प्यूटर की उपयोगिता सम्बन्धी पाठ्यकम

कम्प्यूटर एडेड डिजाईन द्वारा कालीन एवं टेक्सटाईल में डिजाइन से सम्बन्धित पाठ्यकम,

कालीन में प्रयुक्त उनी धागे की कताई का पाठ्यकम, कालीन की धुलाई एवं सुन्दरता पूर्ण करने सम्बन्धित पाठ्यकम

अब तक कालीन बुनाई को कारीगरों की कमी को दूर करने के प्रयास में 5000 बुनकरों को प्रशिक्षण किया जा चुका है।

सी एच सी डी एस योजना के अन्तर्गत कालीन बुनाई प्रशिक्षण में 3500 प्रशिक्षुको को प्रशिक्षण दिया जा चुका है शेष 1500 प्रशिक्षुको को आगामी फेज में अनुदान प्राप्ति के उपरान्त प्रशिक्षित किया जायेगा।

भारतीय कारीगरो को पैदा करने की चेष्टा एवं उपरोक्त कार्यकमों द्वारा उद्योगो को हुनर युक्त मैनपावर उपलब्ध कराना कारीगरों की कमी को दूर करने की दिशा मे संस्थान दृढ़ संकल्प है उद्योगो से अपेक्षा की जाती है कि वे आगे बढ़े और वॉछित जनसंख्या लाभॉश का फायदा उठायें।

2– डी0 सी0 डी0 (डिजाइन क्रियेशन एण्ड डेवलपमेण्ट)

भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी विभाग भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान भदोही के डिजाइन बैंक विभाग ने अबतक तकरीबन 15000 से अधिक डिजाइनों के स्केच को सृजित किया है, व लगभग 3500 डिजाइनो को उद्योगों ने वाणिज्यिक उपयोग हेतु इस्तेमाल किया है। परम्परागत भारतीय मोटिफ/डिजाइनो के उत्पादन बतौर हड्प्पा अजन्ता मुगल, रॅगोली,जयपुरी, फुलकरी, कांथा, पैथनी कलमकारी, बनारसी जामेवार इत्यादि, आधुनिक मोटिफ आदि।मौजूदा चलन के अनुसार

उद्योग विस्तृत रूप से आगे आए डिजाइन बैंक की सलाह व लाभ, अर्न्तराष्ट्रीय स्तर की रचनात्मकता व विकास स्थानीय लागत पर लें।

(उपरोक्त पहल कारीगरों के वंन एवॅ डिजाइनों की रचना को केन्द्रीकृत करने कालीन एवं वस्त्रों के उत्पादकता के क्षेत्र में भारतीय डिजाइनों को विस्तृत करने एवं मेक इन इण्डिया को अनुपूरित करने में सहायक होगा।)

(चालू वित्तीय वर्ष में) **2015-16**

डिजाइन प्रयोगशाला (डिजाइन उद्योगों की बेचा)	8
योजना के अन्तर्गत सृजित प्रशिक्षुओं/कारीगरों द्वारा सृजित डिजाइनें	1956
इण्डियन मोटिफ	1398
आई एस डी एस योजना के अन्तर्गत सृजित	558

कारपेट सैम्पलिंग मशीन : यह मशीन उद्योगों द्वारा 18"×18" के आदि प्रारूप नमूना (प्रोटोटाईप सैम्पल) बनाने के काम में प्रयुक्त होती है।

3– रिसर्च एण्ड डेवलपमेण्ट (आर0 एण्ड डी0)

उत्पादों का विकास/सृजन

संस्थान के स्तर पर कुछ उत्पादों के विकास जैसी प्रकियाएॅ अब तक पूर्ण की जा चुकी है अथवा विभिन्न सहयोगों द्वारा पूर्ण की जानी है जो निम्नवत हैं,

1– क्वायर वेस्ट कार्पेट
2– सिल्क कार्पेट
3– ऐरी सिल्क कार्पेट
4– मोडाकाइलिक बेस्ट कार्पेट
5– हैण्डमेड ऐस्टोरफं टाइप कार्पेट
6– नेचुरल फाइवर बेस्ट कार्पेट
7– नेचुरल डाईंग
8– आर्गेनिक पोडक्र
9– सब्स्टीटयूट टू पालिस्टर सैजी
10– बुजबुन यूटीलाइजेशन
11– वर्टिकल ब्लाइण्ड
12– क्वायर पेपर एण्ड क्वायर सिल्क

क्वायर सिल्क उत्पादन को बढ़ाने हेतु भारतीय कालीन प्रौद्योगीकी संस्थान भदोही एवं सी0 सी0 आर0 एलेप्पी, केरल, क्वायर बोर्ड कोची के प्रोत्साहन से एक दूसरा कांतिकारी अनुसंधान की शुरूआत की गयी है। रेयान मैन्यू फैक्यरिंग कम्पनी (ग्रासिम एण्ड सेन्चुरी रेयान) के सहयोग व्यापारिक उत्पादन के स्तर पर परीक्षण आरम्भ किया गया है।इस दिशा में महत्वपूर्ण योगदान का लाभ कोकोनट उपजाने एवं इसके उद्यमीकरण को प्रोत्साहन देने वाला एवं कोकोनट उत्पादन उपज वर्धक करने वाले राज्यों जैसे केरेल तमिलनॉडु को क्वायर सिल्क पेपर एवं क्वायर सिल्क बनाने में मिलेगा। उद्योगों से ज्यादा संख्या में इसमे आगे आने उत्पादकता एवं विकास बढ़ाने, बैकों ज्यादा लाभ लेने एवं इसको कम मूल्य में दुनियॉ/देशों को आपूर्ति करने की अपेक्षा की जाती है। उपयुक्तता की चेष्टा के दृष्टिकोण से एवं मेड इन इण्डिया मिशन की अनुपूरित करने अलेषण करने हेतु उद्योगों से निम्नलिखित को विकसित करने की अपेक्षा है।

- इर्गोनामिक एण्ड फ्लेक्सीबल टफ्टिंग फ्रेम की अवधारणा।
- कास बार हॉरिजान्टल लूम सी. बी. एच. एल. (लकडी/ धातु) हैण्डनाटेड, तिब्बती सैगी, सुमैक आदि कालीनों की बुनाई के लिए।

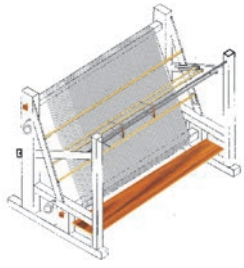

इण्डिया नॉट : मात्र एक भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान का करघे द्वारा कालीन बुनाई में सेमी नॉटिंग मेक इन इण्डिया लक्ष्य का अन्वेषण करके अनुपूरित करने एवं विकसित करने हेतु उद्योगों की आगे आने का आह्वाहन किया है।

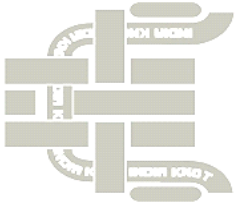

स्नेहाभा कार्पेट बैकिंग सिस्टम:–

पालीमर बैकिंग टेक्नोलाजी लाइट वेट वाशेबुल रिपोर्टेड इटस फीचर एण्ड फिजिबिलटी इन पब्लीकेशन्स लाइक कार्पेट इ वर्ल्ड

टेरी लिनो स्टक्चर : एक दूसरी नई प्रभावी कम कीमत/ खर्च की टेरी स्ट्रक्चर की कार्पेट बनाने एवं बेचने का अधिकार स्वामित्व संस्थान ने मेक इण्डिया योजना के तहत शुरू किया है।

इस अनुसंधान एवं विकास की धारणा का लाभ टावेल इन्डस्ट्री कार्पेट एवं होम टेक्सटाइल्स क्षेत्र, विपणन/बाजार साझेदारी व्यापार एवं निस्पादन करने कार्य में ले सकते हैं।

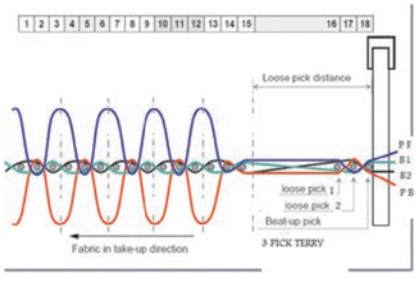

• यूनिवसिट रिलेशन एमांग्स्ट डाइमीटर एण्ड लीनियर डेंसिटी

शैक्षिक क्रियाकलापों का प्रकाशन मेक इन इण्डिया लक्ष्य के मद्देनजर संस्थान द्वारा किया जाता है।

* कार्प कास्ट साफ्टवेयर

संस्थान द्वारा नकल रहित कार्पकास्ट का विकास किया गया है ।जो कि सी० डी० के रूप में हस्तनिर्मित कालीनों की लागत गणना के लिए प्रयोग हेतु उपलब्ध है। साफ्टवेयर को और अधिक उपयोगी बनाने के कार्य मे संस्थान लगा हुआ है एवं उद्योगों के सहयोग मद्देनजर साफ्टवेयर की कीमत रू25,000/– से घटाकर रू5000/– कर दिया गया है।

अब तक कालीन उद्योग को संस्थान द्वारा 17,170 परीक्षण सेवाए प्रदान की जा चुकी है।

संस्थान द्वारा कई एक कालीन इकाईयों एवं अन्य कई प्रतिष्ठित कालीन उद्योग संगठनों को उद्योग सम्बन्धी मंगणाएँ सलाह दिया जा चुका है। अनुसंधान के तहत संस्थान स्थानीय उद्योग इकाईयों को सम्पर्क एवं साक्षात्कार तथा उनकी समस्याओं के निराकरण की नि:शुल्क सेवाएं प्राप्त कराता है।

Carpet Wear & Abrasion Tester

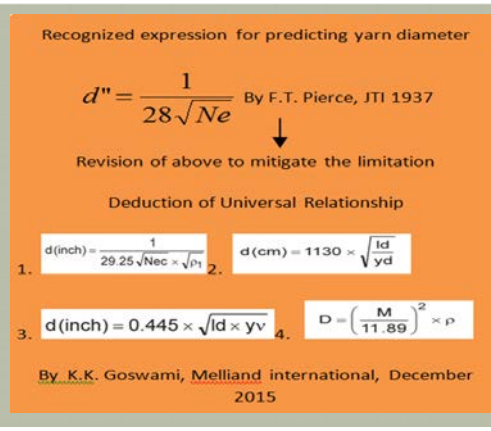

4. टी एस आई उद्योगों को तकनीकी समर्थित सेवाएं

संस्थान उद्योग संगठनो को लगातार अपनी विभिन्न प्रयोगशालाओ जैसे– डिजाइन स्टूडियो, भौतिक एवं रासायनिक प्रयोगशाला, कालीन प्रयोगशाला, आदि द्वारा तकनीकी सेवायें दे रहा है जिससे कि वे विश्व बाजार प्रतिस्पर्धा में अपना स्थान बना सकें। वर्ष 2015–16 में किये गये नमूना परीक्षण का विवरण निम्नवत् है :

भौतिकी प्रयोगशाला सेवा	:	178
रसायन प्रयोगशाला सेवा	:	718
कालीन प्रयोगशाला सेवा	:	128
		1024
डिजाइन प्रयोगशाला सेवा	:	1964
(क) इन्डियन मोटिफ्स	:	1398
(ख) आई.एस.डी. एस. परियोजना	:	558
(ग) डिजाईनो की बिक्री	:	8

कालीन बन्धु सदस्यों की सूची (31.03.2016 तक)

1. मेंo भोला नाथ इण्टरनेशनल, वाराणसी।
2. मेंo सहारा कस्तूरी हैण्डीकाफ्ट्स, लखनऊ।
3. मेंo जया श्री टेक्सटाईल्स, रिसरा।
4. मेंo टैग ब्रर्दस, नई दिल्ली।
5. मेंo ए0बी0सी0 इण्डस्ट्रीज, मीरजापुर।
6. मेंo पीयरलेस कारपेट पैलेस, भदोही।
7. मेंo जी0 एस0 एल0 टेक्सटाईल इन्डिया प्रा0 लि0, लुधियाना।
8. मेंo कान्सेप्ट किएशन्स,पानीपत।
9. मेंo ग्लोस्टर जूट मिल्स लि0 कोलकाता।
10. मेंo जयपुर रग्स कं0 प्रा0 लि0, जयपुर।
11. मेंo पटौदिया एक्सपोर्ट्स, भदोही।
12. मेंo एन्टीक आर्ट एक्सपोर्ट्स प्रा0 लि0,नोएडा।
13. मेंo समारा कारपेट्स (प्रा0) लि0
14. मेंo वेलोसिटी यार्न (प्रा0) लि0 (एसोसिएट सदस्य)
15 मे0 चम्पो कारपेट्स, भदोही।
16 मे0 कलरटेक इण्डस्ट्रीज (प्रा0) लि0

नोट : 1 व 13 आजीवन सदस्य है।

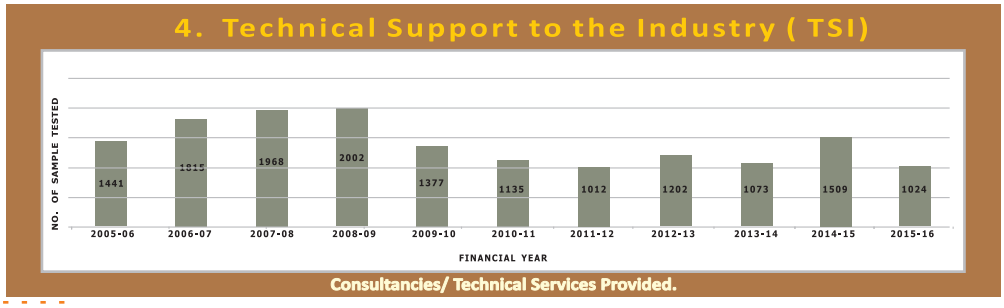

- संस्थान की प्रयोगशालाए `अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड द्वारा प्रमाणित है अत: हमारा परीक्षण पत्र अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य है।
- उद्योग जगत अपने आपूर्ति किये जाने वाले उत्पाद की खरीददार की मांग के अनुसार है अथवा नही, का प्रमाणीकरण की पुष्टि हेतु संस्थान में उपलब्ध सुविधाओ का उपयोग कर सकते हैं।
- उद्योग जगत अपने व्यवसाय को बढ़ाने के लिए परामर्श हेतु संस्थान से फीस आधारित संपर्क कर सकते है।
- संस्थान ने योग्य एवं रुचि रखने वाले उद्योगो /व्यक्तियों को संस्थान का सदस्य बनाने हेतु 'कालीन बन्धु' मंच तैयार किया है। कोई भी इसका आजीवन अथवा सहयोगी सदस्यता क्रमश: रु0 50,000/–अथवा रु0 4,000/– देकर पा सकता है।
- कालीन निर्माण में प्रकिया नियंत्रण पुस्तक: यह किताब भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रो0(डा.)के.के.गोस्वामी के द्वारा कालीन उद्योग से जुड़े लोगो के लिए लिखी अति महत्वपूर्ण है जो कि आयातको की जरूरतो को पूरा करती हैं। वितरण द्वारा इसका हिन्दी संस्करण भी अनुमोदित योजनाओ के अन्तर्गत प्रशिक्षुओ व अन्य लोगो के वितरण हेतु प्रकाशित किया गया है।

अन्य

- प्राकृतिक रेशो द्वारा निर्मित जमीन आवरण कालीन
- प्राकृतिक रंगो का अनुप्रयोग
- उत्पाद/कार्य विविधिकरण

इच्छुक व्यक्ति/समूह विस्तृत जानकारी हेतु संपर्क करें।

संस्थान में चल रही परियोजनाओं का विवरण (सरकारी तथा व्यक्तिगत प्रायोजित)

वित्तीय वर्ष 2015 –16

Sr. No.	Name of the Project	Reference and date of sanction/ completion/ coordinated by / project cost in Rs.Lakh.
1	Component training through established institution under HRD scheme 2nd Installment	I-15011/9/(29)/HRD/2008 dt. 25-11-2013/**31-05-2015** **Sri Rajesh Verma/ Dr.S.K.Pandey/ Rs.13.90Lakhs**
2	Integrated Wool improvement and Development Programme (IWIDP)	CWDB/IICT/UP-R&D/2010-11 dt. ,,, 08-2010/ **Dr.S.K.Pandey Rs.8.50 Lakhs**
3	Implementation of component-I of integrated skill development scheme 2nd installment	12/19/2010-TP dt.30-05-2011/31-03-2015/ **Dr.S.K.Pal/all concern project coordinator Rs.63.54 Lakhs**
4	Comprehensive Handicrafts Cluster Development Scheme (CHCDS)	C-11011/28/2011-12-CC(MC-BHADOHI-MIR)-1/……/dt- **Dr. S.K.Pal/Rs.504.14Lakhs**
5	Procurement of 5000 nos. of solar inverters for distributions to the artisans (Carpet weavers)	J-12012/62/2013-14/ DS dt.31-12-2014**……./ Sh.Rajesh Verma/Sir Anupam Agrwal/ Rs.500.00 Lakhs**
6	Promotion of handmade carpet through development of vertical mechanized durry loom	K-12012/4/17/2014-15/ R&D, dt. 10-9-2014/ **30-09-2015, Dr. S.K.Pal/Rs.2.86Lakhs**
7	Promotion of handmade carpet through improved and predictable wear performance handmade woolen carpets	K-12012/4/14/2014-15/ R&D, dt. 11-9-2014 **/30-11-2015 , Sh. S.K.Gupta/ Rs.5.00 Lakhs**
8	Promotion of handmade carpet through incorporation of jacquard mechanism for designing of pile carpet	K-12012/4/18/2014-15/ R&D dt. 11-9-2014/**30-09-2015** **Dr.S.K.Pal/ Rs.2.50Lakhs**
9	Promotion of handmade carpet through development of continuous tufting system	K-12012/4/20/2014-15/ R&D dt. 11-9-2014 /**30-09-2015** **Dr. S.K.Pal/ Rs.3.50Lakhs**
10	Promotion of Handmade Carpet Through Survey Based Data Basing and Studies on process standardization for woolen / semi worsted yarn manufacturing	K-12012/4/21/2014-15/ R&D dt. 11-9-2014/**30-09-2015/Sh. B.C.Ray/ Rs.4.50Lakhs**
11	Promotion of Handmade Carpet Through optimum utilization of Indian Wool in hand made carpets	K-12012/4/16/2014-15/ R&D dt. 11-9-2014/**30-09-2015 Dr. S.K.Pandey Rs.5.00Lakhs**
12	Incorporation tug read mechanism in hand loom	K-12012/4/15/2014-15/ R&D , dt. 11-9-2014 **/30-09-2015, Dr. S.K.Pal /Rs.2.30Lakhs**
13	Project on validation of intellectual property of IICT through lab study and explore new emerging technological break through using coir fibre	CCRI/Res/IICT(New) Dt. 22-09-2014/ **Sh.R.K.Malik /Rs10.50Lakhs**.

Continued.....

Sr. No.	Name of the Project	Reference and date of sanction/ completion/ coordinated by / project cost in Rs.Lakh.
14	One awareness programme in carpet making craft	J-12012/115/2014-15/DS/CR/Gen, dt. 30-12-2014 **/31-03-2015 Dr. Moumita Bera/Sh. H.Mohapatra/ Rs.1.00Lakh**
15	Workshop/ seminar for promotions of handmade carpet industry through training programme on cleaning and maintenance of textile floor covering	K-12012/4/49/2014-15/ R&D dt. 22-12-2015**/31-05-2015 Dr.B.Dasgupta /Rs.19.00Lakhs**
16	Study for impact assessment on improved tools distributed to artisans of Varanasi and Bareilly	K-12012/4/55/2014-15/ R&D dt. 13-1-2015/**31-03-2015 Dr. K.K.Goswami/Rs.3.23Lakhs**
17	Organizing one integrated design and technical development project	J-12012/68/2014-15/DS/Int dt. 21-11-2014/**30-11-2015 Dr. R.Karmakar/ Rs8.45Lakhs**
18	Two design & technical development workshop in (1) New Carpet Backing System (SBCB) (2) New knotting by wearing technique (Indian Knott)	J-12012/67/2014-15/ DS (CR) (GEN) dt. 27-10-2014 **/March-2015 Sh.D.Jana/Anupam Agarwal/ Rs.6.00Lakhs**
19	Organizing exhibition at Bhadohi during 2014-15	M-21017/51/2014-15/Exh., Dt. 23-01-2015/ **Dr. S.K.Pal**/ Rs.6.00Lakhs
20	Application of jute material in hand made carpets	K-12012/4/79/2014-15/R&D**,** Dt.12-03-2015 **Sir S.K.Gupta /**Rs.5.00Lakhs
21	Development of woven carpets in Terry Pile structure loom in hand made carpet perspective	K-12012/4/75/2014-15/R&D**,** dated 12-03-2015 **Dr. Moumita Bera/ Rs.5.00**
22	Design & Technical Development workshop in Indian Design in durry craft(Exclusively for SC Category Artisans)	No. J.120/147/2014-15/DS (CR)(SC)Dt**.** 11-03 2015/ **Dr R.Karmakar / Sh.C.S.Bajpai Rs.3.00Lakhs**
23	Workshop on Communication ability in craft context among SC section of the society at Bhadohi under R&D Scheme	No.J-12012/4/111 /2014-15/R&D Dated.27-03-2015 **Mr. J. Deshpande/ Dr A.Manna Rs.4.80Lakhs**
24	Seminar on Carpet Making Craft for Schedule caste section of the society	No.K-12012/4/110/ 2014-15/R&D Dated 27-03-2015 **Dr. Moumita Bera/** Rs.4.80Lakhs
25	Organizing 6 handicrafts technical training programme in soft skill training for 20 trainees eatch batch of under HRD	No.I-15011(9)/90/ST/SS/HRD//2014-15 Dated 27-03-2015 **/Dr.S.K.Pandey Rs.6.27Lakhs** No.I-12012/153/2015-16/DS/CR/(Intg)(SC)(2)
26	Organizing one integrated design & technical development project in based woven textile used for hand icrafts at Bhadohi (Exclusively for SC category artisans)	Dated 18-05-2015 **Dr. Moumita Bera** Rs.8.45Lakhs
27	Organizing one integrated design & technical development project in based woven textile used for handicrafts at Varanasi (Exclusively for SC category artisans)	No.I-12012/153/2015-16/DS/CR/(Intg)(SC) (1) Dated 18-05-2015 **Dr.B.Dasgupta** Rs.8.45Lakhs

Continued.....

Sr. No.	Name of the Project	Reference and date of sanction/ completion/ coordinated by / project cost in Rs.Lakh.
28	Organizing one integrated design & technical development project in based woven textile used for handicrafts at Panipat(Haryana) (Exclusively for SC category artisans)	No.I-12012/153/2015-16/DS/CR/(Intg)(SC) Dated 18-05-2015 **Sh. H.Mohapatra** Rs.8.45Lakhs
29	Organizing one integrated design & technical development project in one design project in Indian tufted carpet design craft at Bhadohi (Exclusively for SC category artisans)	No.J-12012/148/2014-15/DS(Intg)(SC) Dated 24-03-2015**/** **Dr R.Karmakar / Sh.C.S.Bajpai** **Rs.8.45Lakhs**
30	Organizing one integrated design & technical development "Folk Indian Design in Dari Craft" at RCWPDS (Exclusively for SC Category artisans)	J-12012/155/2014-15/DS/(CR)(SC) DT. 18-03-20015 **Dr R.Karmakar** Rs.3.00Lakhs
31	Organizing one integrated design & technical development "Folk Rajasthanin in Hand Knotted Carpet Craft" at RCWPDS (Exclusively for SC category artisans)	No.J-12012/155/ 2014-15/DS (CR)(SC) (1) DT. 18-03-2015/ **Dr R.Karmakar/** Rs.3.00Lakhs
32	Organizing one integrated design & technical development "Namda Tufted Carpet Design Craft" at RCWPDS (Exclusively for SC Category artisans)	No.j-12012/155/ 2014-15/DS(CR) (SC) (ii) DT. 18-03-2015**/** **Dr R.Karmakar** Rs.3.00Lakhs
33	Organizing one integrated design & technical development "New Carpet Backing System (Snehabha Carpet Backing" Craft at RCWPDS (Exclusively for SC Category artisans)	No.j-12012/155/ 2014-15/DS(CR) (SC)(III) Dt. 18-03-2015 **Shri.Anupam Agarwal** **Rs.3.00 Lakhs**
34	Organizing one integrated design & technical development "Prototypes utilizing new knotting by weaving technique" Craft at RCWPDS (Exclusively for SC Category artisans)	No.J-12012 /155/2014-15/ DS/ (CR) (SC) (IV) Dt. 18-03-2015/ **Shri.D.Jana** **Rs.3.00 Lakhs**
35	Organizing one integrated design & technical development project in handmade durry design based on Indian design crafts at RCWPDS, Jaipur	No.J-12012 /154/2014-15/DS/ (Intg) (SC) (3) Dt. 26-03-2015/**Dr R.Karmakar / Sh.C.S.Bajpai** Rs.8.45 Lakhs
36	Organizing one integrated design & technical development project in handmade carpet design based on Indian motifs crafts at RCWPDS, Jaipur	No.J-12012 /154/2014-15/DS/ (Intg) (SC) (2) Dt. 27-03-2015**/Dr R.Karmakar / Sh.C.S.Bajpai** Rs.8.45Lakhs
37	Organizing one integrated design & technical development project in Indian hand tufted carpet design crafts at RCWPDS, Jaipur	No.J-12012 /154/2014-15/DS/ (Intg) (SC) Dt. 26-03-2015**Dr R.Karmakar / Sh.C.S.Bajpai** Rs.8.45Lakhs
38	Organizing one integrated design & technical development project in handmade dari design based on Jaipur design crafts at RCWPDS, Jaipur	No.J-12012 /154/2014-15/DS/(4) (Intg) (SC) Dt. 26-03-2015**/Dr R.Karmakar / Sh.C.S.Bajpai** Rs.8.45Lakhs
39	Organizing one integrated design & technical development project in Indian Hand Knotted carpet design crafts at RCWPDS, Jaipur	No.J-12012 /154/2014-15/DS/(1) (Intg) (SC) Dt. 26-03-2015**/Dr R.Karmakar / Sh.C.S.Bajpai** Rs.8.45Lakhs
40	20 Technical training program of 3 months (300 days) each	I-15011/9(13)/CR/ HRD/HTP/2015-16 Dt. 18.09.2015 Dr S K Pandey Rs.8179600/-

Continued.....

Sr. No.	Name of the Project	Reference and date of sanction/ completion/ coordinated by / project cost in Rs.Lakh.
41	20 Technical training program of 3 months (300 days) each	I-15011/9(14)/CR/SC/HRD/HTP/2015-16 DT. 18.09.2015/DR S K Pandey. Rs.8390800/-
42	Feasibility study for upgradation of IICT,Bhadohi to national level Textile Institute	K-12012/4/39/2015-16 Dt. 04.09.2015/Dr K K Goswami Rs. 567000/-
43	02 Days workshops / seminars on carpet making craft or youth of the society under R&D scheme during the year 2015-16	k-12012/4/69/2015-16/R&D dated 21-11-2015
44	"Workshop/ Seminar on Besic Elements of Carpet Design Creations in carpet Manufacturing Workshop for youth of the society" under R&D Scheme for the year 2015-16.	No.K. 12012/4/93/2015-16/R&D Dt.29.02.2016 Rs.4,46,000
45	"Workshop/Seminar on computer application in carpet making perspective for youth in Bhadohi, Utter pradesh"Under R&D Scheme for the year 2015-16	No.K.12012/4/92/2015-16R&D Dt.29.02.2016 Rs.4,46,000
46	"Workshop/Seminar on Soft skill awareness in carpet manufacturing work for youth of the society" under R&D Scheme for the year 2015-16	No.K.12012/4/86/2015-16/R&D Dt. 29.02.2016 Rs.4,46,000
47	"Workshop/Seminar on CAD(Computer Aided Carpet Design) in carpet Manufacturing Workshop for youth of the society, under R&D Scheme for the year 2015-16.	No.K.12012/4/94/2015-16/R&D Dt.29.02.2016 Rs.4,46,000
48	"Workshop/Seminar on Dhurry making craft for scheduled caste(SC) youth" under R&D Scheme for the year 2015-16.	No.K.12012/4/87/2015-16/R&D Dt.29.02.2016 Rs.4,46,000
49	"Workshop/Seminar on carpet embroidery for youth" youth" under R&D Scheme for the year 2015-16.	No.K.12012/4/85/2015-16/R&D Dt.29.02.2016 Rs.4,46,000
50	"Workshop/Seminar on Tufted carpet making craft for scheduled caste(SC) Youth" under R&D Scheme for the year 2015-16.	No.K.12012/4/85/2015-16/R&D Dt.29.02.2016 Rs.3,12,000
51	"Entrepreneurship workshop for scheduled caste (SC) youth with special reference to the export procedured related to carpet trade" under R&D Scheme for the year 2015-16.	No.K.12012/4/88/2015-16/R&D Dt.29.02.2016 Rs.3,69,000
52	"Workshop/Seminar on Mechanical Finishing of Carpets for youth" under R&D Scheme for the year 2015-16	No.K.12012/4/91/2015-16/R&D Dt.29.02.2016 Rs.4,68,000

बी0 टेक0 प्रथम वर्ष में प्रवेश :

संस्थान के बी0 टेक0 कार्यक्रम में कुल 60 सीटे है। सी.एस.ए.बी. (केन्द्रीय सीट निर्धारण बोर्ड जे ई ई(मेन)2015) एन. आई.टी. पटना ने कुल 60 छात्रों को प्रवेश हेतु निर्धारित किया था, जिसमें 20 छात्रों ने प्रवेश लिया। बची हुई 40 खाली सीटो में सभी 39 सीटें संस्थान स्तर पर, (केन्द्रीय सीट निर्धारण बोर्ड) (जे ई ई–2015) डा. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय द्वारा अनुमोदित के नियमानुसार, भरी गयी। पुन: लैटरल प्रवेश के तहत बी0टेक0 द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर) में 12 (डिप्लोमा/स्नातक डिग्री धारक) छात्रों का प्रवेश एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार लिया गया।

शिक्षण शुल्क में छूट :

सरकार/ डा.ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय लखनउ, द्वारा निर्धारित शिक्षण शुल्क छात्रो द्वारा मान्य।

सत्रारम्भ :

बी0 टेक0 पंचम एवं सप्तम अर्द्धान्स की कक्षाओं के लिए नया सत्र 23 जुलाई 2015 से तथा प्रथम व तृतीय, अर्द्धान्स के लिए 17 अगस्त 2015 से कक्षाएँ प्रारम्भ हुई।

परीक्षाफल एवं उपलब्धि :

वित्तीय वर्ष 1 अप्रैल 2015 से 31 मार्च 2016 के दौरान ग्यारहवें बैच (2011–15) के 48 छात्रों ने आठवें सेमेस्टर की परीक्षा दिए थे, और 48 छात्र सफल रहे।
पांचवें व छठवें सेमेस्टर के 68 छात्र परीक्षा दिए थे, और सभी छात्र प्रोन्नत हो गए।
तीसरें व चौथे सेमेस्टर सेमेस्टर के 58 छात्र परीक्षा दिए थे, और सभी छात्र प्रोन्नत हो गए।
पहले व दूसरे सेमेस्टर सेमेस्टर के 63 छात्र परीक्षा दिए थे, और 58 छात्र प्रोन्नत हो गए।

31 मार्च 2016 तक सभी अधिकारी व कर्मचारियों की सूची

क्रम संख्या	अधिकारी/कर्मचारी का नाम	पद
1.	प्रो0 (डा0) के0 के0 गोस्वामी	प्रोफेसर एवं निदेशक
2.	डा0 आर0 कर्माकर	एसोसिएट प्रोफेसर, सी.टी.डी
3.	श्री जयहिन्द चौहान	प्रयोगशाला सहायक, टेक्सटाईल टेस्टिंग
4.	श्री आर. के. मलिक	एसोसिएट प्रोफेसर,सी.टी.सी
5.	श्री बी. सी. रे	कार्यशाला प्रभारी
6.	श्री जगदीश	अकुशल श्रमिक
7.	श्री सिद्धार्थ शुक्ला	प्रशासनिक एवं सुरक्षाधिकारी
8.	श्री जयंत देशपांडे	पुस्तकालयाध्यक्ष
9.	डा0 बेट्टी दासगुप्ता	सहायक प्रोफेसर,सी.टी.
10.	श्री सी.एस. वाजपेयी	डिजाईन प्रयोगशाला प्रभारी
11.	श्री उमाकान्त श्रीवास्तव	प्रशासनिक सहायक
12.	डा0 एस. के. पांडे	एसोसिएट प्रोफेसर,सी.एस.एम
13.	मो0 वसीम अंसारी	पुस्तकालय सहायक
14.	श्री अमिताभ चटर्जी	प्रयोगशाला सहायक, इंजी.
15.	श्री अणु मिश्र	सहायक प्रोफेसर,एफ.एस.टी.
16.	श्री श्रवण कुमार गुप्ता	सहायक प्रोफेसर,टेक. (होम टेक्सटाइल)
17.	श्रीमती प्रीती चौरसिया	प्रयोगशाला सहायक, टेक्सटाइल्स
18.	श्री गोविन्द यादव	प्रयोगशाला सहायक, इलेक्ट्रानिक्स
19.	श्री राजेश वर्मा	सहायक प्रोफेसर, इन्जीनियरिंग
20.	प्रो0 (डा0) सनत कुमार पाल	प्रोफेसर
21.	श्री दुर्गेश कुमार त्रिपाठी	लेखाधिकारी
22.	डा0 मोउमिता बेरा	सहायक प्रोफेसर,टी.डी..टी.
23.	डा0 अतनु मन्ना	सहायक प्रोफेसर, गणित
24.	श्री डी0 जाना	प्रयोगशाला प्रभारी, रसायन
25.	श्री अनुपम अग्रवाल	प्रयोगशाला प्रभारी, भौतिकी
26.	श्री एच. एस. मोहापात्रा	सहायक प्रोफेसर
27.	श्री दर्पण सिंह	कम्प्यूटर लैब सहायक
28.	श्री विजय कुमार गुप्ता	इलेक्ट्रिक टेक्नीशियन
29.	श्री नरेश कुमार	ड्राईवर

All designation/ posts are made/being made unique in nature to build unique capacity required for the sector. Addition of employee to designation (s) may take place in due course of time to meet institute's requirement. The EC vide meeting dated 22.06.2007 resolved the issue as "Recruitment Rules including Reservation/Roster etc. to be followed/framed for all the regular posts created and being created through EFC Phase I & II respectively"

Visiting/Guest Faculty Engaged

1. श्री शरत चंद्र महतो
2. डा0 अभिषेक पान्डेय
3. डा. कौशलेन्द्र मिश्रा
4. श्री नरेन्द्र एम जौहरी

The engagement of visiting/guest faculty was made according to Service Rule of IICT, as per the clause no. 1 (1.13) of the Delegation of Administrative & Financial power to Director, IICT.

संस्थान में पधारे आगन्तुक एवं उनकी टिप्पणियां

आगन्तुकों के नाम एवं टिप्पणियां उनके द्वारा लिखित भाषा में यथावत् हैं।

दिनांक	आगन्तुक का नाम एवं पता / टिप्पणी
06.05.2015	**Jasmin Zetheil,** solstys collection , Paru, New York Very interesting visit have today, what a great institution that will help to continue and develop this beautiful handicraft and it's techniques, MERC, thank you for your hospitality and knowledge.
03.08.2015	**Anjali Gupta,** Guddi. Productions, Serial Albele Haathon Ka Hunar For, DD Kisan Channel We were told, before we got here that this was a one of a kind institute. The remark was truly an understatement. The people here, and work they are doing, will forever be a part of us.
10.10.2015	**J. K. Dadoo,** IAS, Additional Secretary & Finance Advisor, Department of Commerce and Textile GOI. A pioneer institute in carpet technology. Now needs upgradation facilities in classroom, testing labs, teaching infrastructure. Swachh Bharat ispriority. Greening, rain harvesting solar energy generation compost pits must be done. More fruit trees & flowering plants are required. More customization of R&D projects, follow 6 month training of self helps groups and maintenance of record is important. Institute must strive for excellent to become an institute of National Importance.
10.12.2015	**JAGAT SHAH,** head MENTOR ON ROAD, Ahmedabad An amazing program interaction arrange at short notice with students. I enjoyed session. IICT is making a great difference to life of students through Skill India, Make in India, Smart India, Clean India, Digital India and Startup India and Standup India and Change India and IICT can play a big role in this. Very positive minded faculty, progressive and open minded thinking.
11.01.2016	**Madhavi Verma**, Ashima jaid,Naveli, New Delhi A very humble and successful institute in keeping the heritage alive.
15.02.2016	**York**, visitor from flair rug. Extremely useful. Very helpful people. I am sure you will get to know flair more.

कार्यशाला/सम्मेलन

प्रो0 (डा0) के. के.गोस्वामी, निदेशक, आइ. आइ. सी. टी.

- प्रपत्र प्रस्तुत किया

1. एम एस एम ई द्वारा सृजनात्मकता को बढ़ावा देने में तकनीकी संस्था की भूमिका/हस्तनिर्मित क्षेत्र –कारपेट ई वर्ल्ड।
2. भारतीय मानक ब्यूरो, नई दिल्ली 20/07/2016 में तकनीकी वस्त्र में मानकीकरण व मूल्य वर्धन।
3. मेक इन इन्डिया में तकनीकी संस्थानों की भूमिका तथा स्किल इडिंया मिशन द्वारा प्रशिक्षण, अविष्कार और सृजनात्मकता,टी.ए.आई पश्चिम बंगाल इकाई, कोलकाता।

- कार्यशाला में भाग लिया
  - मे0 मैसी फ्रैंकफर्ट व्यापार मेला इन्डिया प्रा0 लि0, नई दिल्ली में 26/06/2015 को होम टेक्सटाईल पर व्याख्यान दिया।
  - यू पी टी टी आई, कानपुर में दिनांक 14/072015 को पाठ्यक्रम विकास पर कार्यशाला में भाग लिया।
  - कैरियर गाईडेन्स कार्यक्रम पर दिनांक18/08/2015 को एम्बिशन इन्टिट्यूट आफ टेक्नालाजी,वाराणसी में विशेष व्याख्यान दिया।
  - यू पी टी टी आई, कानपुर में दिनांक 22/012016 को संकाय विकास कार्यक्रम पर व्याख्यान दिया।

डा0 आर. करमाकर, एसोसिएट प्रोफेसर, आइ. आइ. सी. टी.

- **समन्वित परियोजना/कार्यशाला**
  एकीकृत डिजाईन तकनीक विकास परियोजना के अन्तर्गत विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) द्वारा प्रायोजित "एक डिजाईन परियोजना में हस्तनिर्मित कालीन, भारतीय डिजाइन के पारम्परिक परिप्रेक्ष्य के साथ" पर आयोजित कार्यशाला, दि. 02/03/2015 से 06/06/2015 भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान में आयोजित की गई का समन्वयन किया।
- **विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) द्वारा प्रायोजित एकीकृत डिजाईन तथा तकनीक विकास परियोजना के अन्तर्गत " भारतीय दरी शिल्प" (विशेष रूप से अनुसूचित जाति के लिए) पर 1 महीने की कार्यशाला का आयोजन, दि. 10/09/2015 से 14/10/2015 तक भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान में किया गया, का समन्वयन किया।**
- **एकीकृत डिजाईन तकनीक विकास परियोजना के अन्तर्गत विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) द्वारा प्रायोजित "इडियन टफ्टेड कारपेट डिजाइन काफ्ट" (विशेष रूप से अनुसूचित जाति के लिए) पर कार्यशाला का आयोजन, दि. 06/11/2015 से 11/02/2015 तक भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान में किया गया, का समन्वयन किया।**

Sh. Jayant Deshpandey, Librarian IICT

- **पुस्तक अध्याय**
  एक अध्याय प्रकाशित किया "इण्टरनेशनल रिसर्च पब्लिकेशन हाउस (त्व्ट)की पुस्तक का शीर्षक "इन्फारमेशन साइंस एण्ड डिजिटल लाइब्रेरीज" एवं अध्याय का शीर्षक "रोल आफ आई टी एप्लि केशन इन लाइब्रेरीज" एण्ड इटस इम्पेक्ट आन लाइब्रेरी सर्विसेज"
- **कार्यशाला**
  काफ्ट के संदर्भ में संचार की क्षमता पर अनुसूचित जाति समाज की धारा के बीच कार्यशाला का आयोजन, आई.आई.सी.टी. में जुलाई (01.03.2015)को अनुसंधान एवं विकास के अर्न्तगत आयोजित किया।

Sh. H.S. Mohapatra , Assit.Professor IICT

- एन आइटी, जालंधर में अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन आर टीसीटी 2016, में हिस्सा लिया व शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- सी.ई.पी.सी द्वारा 11/03/2016 से 14/03/2016 तक एन एस आइ सी मैदान, नई दिल्ली में आयोजित इन्डिया कारपेट एक्सपो में हिस्सा लिया।

Sh.C.S.Bajpayee , Lab Incharge-DESIGN, IICT

- सी.ई.पी.सी द्वारा 11/03/2016 से 14/03/2016 तक एन एस आइ सी मैदान, नई दिल्ली में आयोजित इन्डिया कारपेट एक्सपो में हिस्सा लिया।
- समन्वित परियोजना/कार्यशाला
  एकीकृत डिजाईन तकनीक विकास परियोजना के अन्तर्गत विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) द्वारा प्रायोजित "एक डिजाईन परियोजना में हस्तनिर्मित कालीन, भारतीय डिजाइन के पारम्परिक परिप्रेक्ष्य के साथ" पर आयोजित कार्यशाला, दि. 02/03/2015 से 06/06/2015 भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान में आयोजित की गई का समन्वयन किया।
- विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) द्वारा प्रायोजित एकीकृत डिजाईन तथा तकनीक विकास परियोजना के अन्तर्गत " भारतीय दरी शिल्प"(विशेष रूप से अनुसूचित जाति के लिए) पर 1 महीने की कार्यशाला का आयोजन, दि. 10/09/2015 से 14/10/2015 तक भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान में किया गया, का समन्वयन किया।
- एकीकृत डिजाईन तकनीक विकास परियोजना के अन्तर्गत विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) द्वारा प्रायोजित "इडियन टफ्टेड कारपेट डिजाइन काफ्ट" (विशेष रूप से अनुसूचित जाति के लिए) पर कार्यशाला का आयोजन, दि. 06/11/2015 से 11/02/2015 तक भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान में किया गया, का समन्वयन किया।

उद्योग को अब तक प्रदत्त सेवाएं तथा डिजाईन लैब सेवाएं

परीक्षण सेवाएं

उद्योग को तकनीकी सहयोग (टी.एस.आई.)

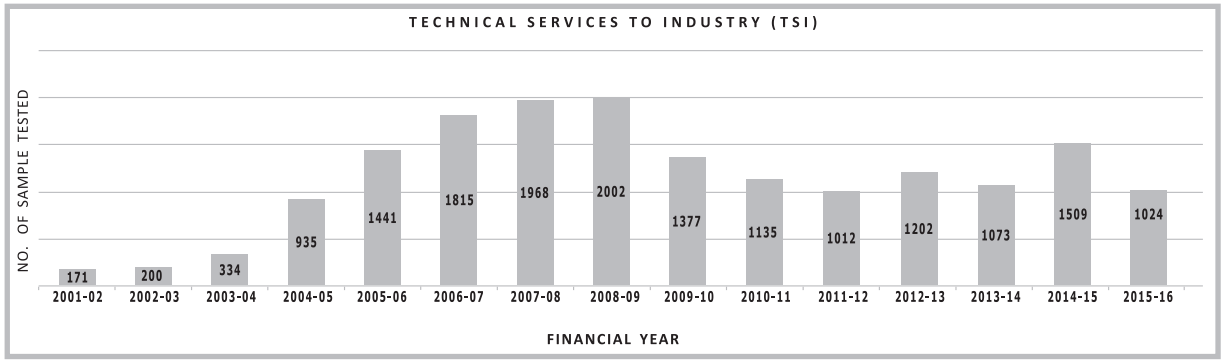

डिजाईन लैब की सेवाएं

(ग्राफिकीय प्रस्तुतिकरण डिजाईन बिंदुओं पर आधारित)

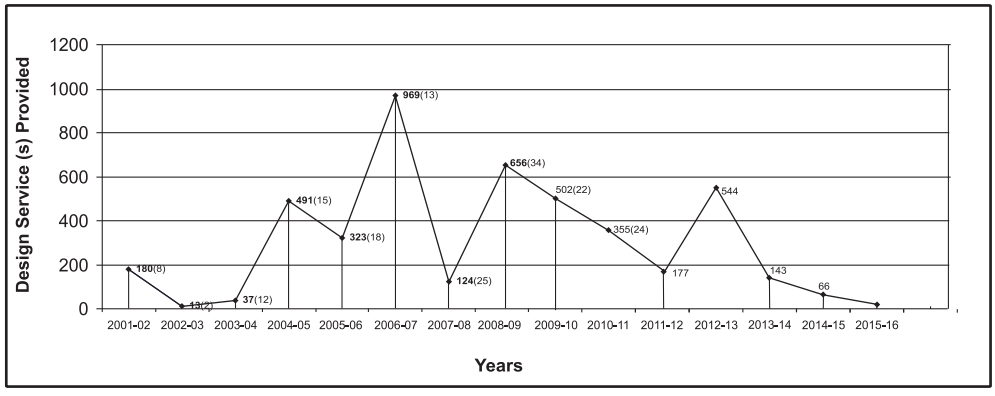

डिजाईन लैब द्वारा प्रशिक्षित प्रशिक्षु

(ग्राफिकीय प्रस्तुतिकरण प्रशिक्षुओं की संख्या पर आधारित)